राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 06 जून 2025 वर्ष-8,अंक-107 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

गंगा दशहरा पर मॉ गंगा को 1100 मीटर चूनरी चढ़ाई

वाराणसी में अस्सी घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

वाराणसी।

गंगा दशहरा के मौके पर गुरुवार सुबह से वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या सहित प्रदेश में कई जगह घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। स्नान, पूजा और दान का सिलसिला चालू है। प्रयागराज में संगम पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद सूर्य को अर्घ दिया। काशी में भी गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालु पहुंचे हैं। अस्सी घाट पर मां गंगा को 1100 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई। बागपत में दो छात्रों और बदायूं में एक युवक की नहाते समय डूबने से मौत हो गई। गंगा दशहरा के मौके पर शाम को काशी में विशेष गंगा आरती होगी। घाटों पर दीप सजाए जाएंगे। दशमी तिथि 4 जून की रात 11:55 बजे से 6 जून की रात 2:14 बजे तक है। इसके बाद उदया तिथि के अनुसार गंगा दशहरा आज 5 जून को मनाया जा रहा है। अमरोहा के गजरौला स्थित ब्रजघाट गंगा धाम और तिगरी गंगा धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ है। दो लाख से अधिक श्रद्धालु अब तक आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। वहीं बागपत के सिनौली घाट पर गंगा स्नान कर रहे बीएससी के दो छात्रों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने दोनों के शव बाहर निकाले। सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम भी घाट पर पहुंची। वहीं बदायूं में भी रामगंगा नदी में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई।

अक्टूबर 2026 से 4 राज्यों में जातीय जनगणना

बाकी राज्यों में मार्च 2027 से होगी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार देश में जातीय जनगणना 1 मार्च 2027 से कराने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जातीय जनगणना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले 4 पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कराई जाएगी। यहां 1 अक्टूबर 2026 से इसकी शुरुआत होगी। केंद्र ने 30 अप्रैल को देश में आजादी के बाद पहली बार जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, इवेंट से चमकने वाली सरकार नहीं चाहिए

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दोपहिया वाहनों, कारों की बिक्री और मोबाइल बाजार में गिरावट को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा कि देश को ऐसी राजनीति चाहिए जो इवेंट की चमक से नहीं, आम जिदंगी की सच्चाई से जुड़ी हो। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि आंकड़े सच बोलते हैं। बीते एक साल में दोपहिया वाहनों की बिक्री 17 प्रतिशत और कार की बिक्री 8.6 प्रतिशत घट गई है। वहीं मोबाइल मार्केट सात प्रतिशत गिरा है। उन्होंने दावा किया कि दूसरी तरफ, खर्च और कर्ज़, दोनों लगातार बढ़ रहे हैं। मकान का किराया, घरेलू महंगाई, शिक्षा का खर्च, लगभग हर चीज़ महंगी होती जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, ये सिर्फ़ आंकड़े नहीं हैं, ये उस आर्थिक दबाव की सच्चाई है जिसके नीचे हर आम भारतीय पिस रहा है।उन्होंने जोर दिया, हमें ऐसी अर्थव्यवस्था चाहिए जो हर भारतीय के लिए काम करे, न कि सिर्फ कुछ गिने-चुने पूंजीपतियों के लिए।

हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित

पीएम मोदी ने एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर गिनाए काम

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी-एनडीए सरकार को केंद्र में 11 साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने गुरुवार को सरकार के 11 साल के कार्यकाल में गरीब कल्याण के लिए किए गए कार्यों को गिनाया। पीएम मोदी ने एक्स पर कई पोस्ट किए उन्होंने अपने पहले पोस्ट में लिखा- बीते 11 साल में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। इस दौरान हमारी उपलब्धियां न सिर्फ अभूतपूर्व हैं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को आसान बनाने वाली हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि देश को आगे ले जाने के अपने इन प्रयासों के साथ हम विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने कई योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने लिखा पिछले एक दशक में एनडीए सरकार ने कई लोगों को गरीबी के चंगुल से निकालने के लिए अहम कदम उठाए हैं, जिसमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारी प्रमुख योजनाओं ने गरीबों के जीवन को बेहतर बनाया है। पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने लोगों को आवास, स्वच्छ रसोई ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान की है। डीबीटी, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर जोर ने पारदर्शिता और अंतिम व्यक्ति तक तेजी से लाभ पहुंचाया है। इन प्रयासों से 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं। एनडीए एक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अवसर मिले। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि सर्वांगीण

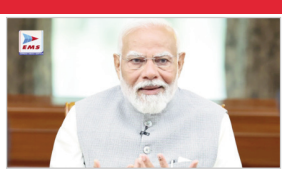

विकास के लिए हमारी सरकार के प्रयासों से परिवर्तनकारी परिणाम सामने आए हैं और गरीब और हाशिए पर पड़े लोगों को लाभ हुआ है।

गंगा दशहरा पर अयोध्या में राम दरबार सहित आठ देव विग्रहों की हुई प्राण प्रतिष्ठा

सीएम योगी ने किया पूरक मंदिरों का ऐतिहासिक अनुष्ठान

अयोध्या।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर अयोध्या में एक ऐतिहासिक और धार्मिक क्षण साक्षी बना जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि परिसर में बने पूरक मंदिरों में राम दरबार सहित आठ देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत रूप से की। इस बीच सीएम योगी ने राम दरबार का आवरण हटाकर उनका भव्य श्रृंगार किया और सभी देव विग्रहों का अभिषेक किया। अयोध्या के श्रीराम मंदिर परिसर में बने पूरक मंदिरों में गुरुवार सुबह 11:25 बजे से 11:40 बजे के शुभ मुहूर्त में यह अनुष्ठान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इससे पहले, ब्रह्ममुहूर्त से ही मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रों और यज्ञ की गूंज के बीच पूजन और अभिषेक की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई थी।

प्रमुख देव विग्रहों में सिंहासन सहित राम दरबार की मूर्ति की कुल ऊंचाई सात फीट है। इसमें सीताराम की मूर्ति साढ़े चार फीट की है, जो साढ़े तीन फुट ऊंचे सिंहासन पर स्थापित की गई। भरत और हनुमान जी की मूर्तियां बैठी मुद्रा में हैं जिनकी ऊंचाई लगभग ढाई फीट है, वहीं लक्ष्मण और शत्रुघ्न की मूर्तियां खड़ी मुद्रा में तीन-तीन फीट की हैं। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने

राम दरबार का आवरण हटाकर उनका भव्य श्रृंगार किया और सभी देव विग्रहों का अभिषेक किया। इस आयोजन में अयोध्या के 19 प्रमुख संतों और धर्माचार्यों के साथ राम मंदिर ट्रस्ट, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। गंगा दशहरा के दिन इस प्राण प्रतिष्ठा ने रामनगरी अयोध्या के गौरवशाली अध्याय में एक और स्वर्णिम पृष्ठ जोड़ा है।

डीएलएड अभ्यर्थियों ने किया अनोख प्रदर्शन, कान पकड़ मुर्गा बनकर निकाला जुलूस

कहा - सीएम योगी डीएलएड बोर्ड का संचालन करें बंद या निकालें नई भर्ती

प्रयागराज। प्रयागराज में डीएलएड अभ्यर्थियों ने अनोखा प्रदर्शन किया। उन्होंने कान पकड़ मुर्गा बनकर, जुलूस निकाला। सीएम योगी से माफी मांगते हुए ऐसा प्रदर्शन कर कहा कि हमसे गलती हो गई जो मास्टर बनने के लिए डीएलएड का प्रशिक्षण लिया। अगर डीएलएड नहीं किया होता तो दर-दर की ठोकरें नहीं खाते। अभ्यर्थियों ने कहा कि सीएम योगी हम कहना चाहते हैं या तो आप डीएलएड बोर्ड का संचालन बंद कर दें, या फिर नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करें। अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार और आयोग का अनुपात समानुपात का भूत उतारने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। अभ्यर्थियों ने सरकार को छह जून तक का समय दिया है और चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने मांगे नहीं मानी तो छात्र महाधरना करेंगे। बता दें प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर 28 मई से धरना दे रहे हैं। इस आंदोलन में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण, डीएलएड/बीटीसी प्रशिक्षित अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने मुर्गा बनकर आयोग के कार्यालय के चारों ओर घूमकर जुलूस निकाला। सरकार से नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करने की गुहार लगाई। आयोग की अध्यक्ष ने धरने पर बैठे कुछ अभ्यर्थियों से बात की, लेकिन अभ्यर्थी धरना खत्म करने को तैयार नहीं हुए। देर रात को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार और आयोग का अनुपात- समानुपात का भूत उतारने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने कहा आज नहीं तो कल अंधेरे से प्रकाश की किरण निकलेगी। डीएलएड प्रशिक्षुओं के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के परिषद विद्यालयों में 1,81,276 पद रिक्त हैं। यह आंकड़ा प्रोजेक्ट एप्रूवल बोर्ड की रिपोर्ट में भी दर्ज है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग मजबूत करेगा भारत

नई दिल्ली।

ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हो सकते हैं। इस मौके पर भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग मजबूत करने और ग्लोबल साउथ के लिए भारत के दृष्टिकोण को भी आगे बढ़ाएंगे। ब्राजील ने पीएम मोदी को शिखर सम्मेलन के साथ ही राजकीय यात्रा के लिए भी आमंत्रित किया है। अगर पीएम इस सम्मेलन में भाग लेते हैं, तो उन्हें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ही इंडोनेशिया, ईरान, यूएई, सऊदी अरब और मिस्र जैसे ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं से मिलने का मौका भी मिल सकता है। इसके अलावा, पीएम मोदी को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी जुलाई में मालदीव आने का न्योता दे रखा है।रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। यहां संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) जैसे महत्वपूर्ण संस्था में सुधार पर चर्चा होने की संभावना भी बताई जा रही है। भारत ने इस वक्त आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मुहिम शुरू कर रखी है। ऐसे में अगर प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं तो भारत आंतकवाद-विरोधी अपनी मुहिम को और धार दे सकता है।सम्मेलन से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 3 से 5 जून तक ब्रासीलिया में ब्रिक्स संसदीय मंच में एक भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दशकों से भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी है। यह अंतरराष्ट्रीय संस्था मौजूदा वैश्विक समीकरण में पूरी तरह से अप्रासंगिक बन गया है। खासकर आतंकवाद के मुद्दे पर सुरक्षा परिषद पूरी तरह से फेल साबित हो रहा है। क्योंकि, पाकिस्तान समर्थित कई आतंकवादी संगठन और संस्था इसलिए मानवता के लिए कलंक बने हुए हैं, क्योंकि सुरक्षा परिषद के पांच में से एक स्थायी सदस्य चीन अपने वीटो के अधिकार का इस्तेमाल करके उन्हें बच निकलने का रास्ता देता आ रहा है। वर्तमान में ब्राजील के पास ब्रिक्स की अध्यक्षता है। इसके साथ ही भारत, ग्लोबल साउथ के सहयोग को मजबूत करने और अधिक समावेशी और टिकाऊ प्रणाली को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। शिखर सम्मेलन में वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग, व्यापार और निवेश, जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस और बहुपक्षीय शांति और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी बात होगी।उधर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी पीएम मोदी को मालदीव आने का न्योता दिया है। मालदीव, भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहता है।

पंजाब में तापमान सामान्य से नीचे, तीन दिन बाद फिर बढ़ेगा पारा

अमृतसर।

पंजाब में तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। इसका कारण बीते दिनों से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में हो रही बर्फबारी और बारिश भी है। मौसम विभाग की ओर से आज किसी भी तरह का कोई अलर्ट जारी नहीं है। इसके बाद भी आज तापमान में अधिक बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। आने वाले तीन दिनों में तापमान एक बार फिर 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ के अनुसार राज्यभर में अधिकतम तापमान में औसतन 1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जबकि सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान रहा। राज्य का सर्वाधिक तापमान जो बीते दिनों 42 डिग्री से अधिक बना हुआ था, अब 40 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच चुका है। सबसे अधिक तापमान 38 डिग्री सेल्सियस संगरूर में दर्ज किया गया। पंजाब में बीते दिनों जहां बारिश और तेज हवाएं देखने को मिल रही थीं, वहीं आज से लेकर 8 जून तक कोई भी अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि आज हिमाचल प्रदेश में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। जिसके चलते पंजाब के तापमान में आज अधिकतर बदलाव नहीं होगा। लेकिन आज के बाद तापमान बढ़ने लगेगा और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

आजाद उम्मीदवार ने आम आदमी पार्टी को समर्थन दिया

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना जिले के हलका पश्चमी में 19 जून को उप-चुनाव होने वाले है। इसके पहले कांग्रेस,आप, बीजेपी और शिअद ने अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार दिया है। इस बीच कई आजाद उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे है। आज एक आजाद उम्मीदवार ने आम आदमी पार्टी को समर्थन दे दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन्हें आप का पटका पहनाया। आप पंजाब के नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लोक हित कार्यों के कारण आज सभी लोगों का समर्थन उन्हें मिल रहा है। हलका पश्चमी में आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे समूह समाज संगठन के प्रधान कमल पवार आप में शामिल हो गए है। आप लीडरशिप उनका स्वागत करते है। बता दें मुख्यमंत्री मान के साथ पवार की तस्वीर भी एक्स पर पार्टी ने साझा की है।

अदाणी समूह ने 75,000 करोड़ का कर भुगतान किया

नई दिल्ली।

अदाणी समूह के एकाधिक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में क्षेत्रिय कर का भुगतान करने के लिए कुल 75,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इस राशि में कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए भी धन अलग किया गया है। एक बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए अदाणी समूह का कुल योगदान 29 प्रतिशत बढ़कर 74,945 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 58,104 करोड़ रुपये से अधिक है। सूचीबद्ध कंपनियों में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी सीमेंट लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड शामिल है। उनकी संतुलित योगदान ने समूह को एक उच्च स्तर पर ले जाने में मदद की है। समूह ने अपनी सात सूचीबद्ध कंपनियों के माध्यम से सार्वजनिक रिपोर्ट के आंकड़ों को साझा किया है जो उनके सामर्थ्य और सामाजिक योगदान को प्रकट करते हैं। बयान में कहा गया` कि समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड और अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा प्रकाशित स्वतंत्र वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़े इसमें शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर खुलकर साथ आया क्वाड का ये सदस्य देश, ट्रंप के लिए इशारा

नई दिल्ली।

भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया है, तब से विश्व में तमाम देशों के चेहरों से नकाब उतर गए है। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की बातें करने वाले भी चुप दिखाई दिए। वहीं कुछ मित्र राष्ट्रों ने भारत को खुलकर समर्थन किया। अमेरिका और ब्रिटेन की ओर से भले ही भारत को खुले लफ्ज़ों में समर्थन न मिला हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट रूप से भारत के साथ खड़े होने का ऐलान कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का साथ पहली बार उस देश ने दिया है, जो क्वाड समूह का हिस्सा है।

इस समूह में शामिल अमेरिका और जापान ने आतंकवाद को लेकर इतना स्पष्ट बयान नहीं दिया है, जितना ऑस्ट्रेलिया ने खुलकर साथ दिया है।

भारत के दौरे पर आए ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देने की घोषणा की।

भारत के पक्ष में पहलगाम हमले पर सबसे पहले और प्रमुख रूप से बयान देने वाला पहला क्वाड देश ऑस्ट्रेलिया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 4 जून 2025 को हुई द्विपक्षीय वार्ता में, भारतीय अधिकारियों ने ऑस्ट्रेलियाई उपप्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स को सूचित किया कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई सोची-समझी और संतुलित थी। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात भी की। पहली बार भारत पहुंचे मार्लेस ने स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया भारत के साथ खड़ा है। ये बात इसलिए महत्वपूर्ण होती है कि क्योंकि ऑस्ट्रेलिया उसकी क्वाड समूह का सदस्य देश है, जिसमें अमेरिका शामिल है।

बावजूद इसके एक बार भी खुलकर नहीं कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ है।

ये वहीं अमेरिका है, जो आतंकवाद का दर्द झेल चुका है और उसके ज़ख्म शायद कभी नहीं भरने वाले है।

बावजूद इसके आतंकवाद के खिलाफ भारत के समर्थन की बात आती है, तब ट्रंप की भाषा ही बदल जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया।

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते

समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।' पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्टा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जश्न और हादसा

तुरत-फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मुत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंतत- विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी-20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चैंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने-माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई।

अवांछित तत्वों के कारण असुरक्षित होता यातायात

(लेखिका - निर्मल रानी)

हमारे देश में रेलगाड़ियों व बसों को आम यात्रियों के मुख्य यातायात के साधन के रूप में देखा जाता है। देश के अधिकांश यात्री एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिये प्रायः इन्हीं साधनों का इस्तेमाल करते हैं। केंद्र सरकार जहाँ यात्रियों की सुविधाओं के लिये समय समय पर नई,आधुनिक व तीव्र गामी रेलगाड़ियां संचालित करती रहती है वहीं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भी जनता की सुविधा के लिये बसों के नये बेड़े शामिल करने की ख़बरें आती रहती हैं। परन्तु यात्रियों के आवागमन को सुचारु बनाने की इन कोशिशों के बीच सरकार का ध्यान शायद यात्रियों व उनके सामानों की सुरक्षा पर नहीं पहुँच पाता। यह त्रासदी भी केवल सामान्य, मेल-एक्सप्रेस ट्रेन्स व सामान्य बसों की ही है, जबकि वनदे भारत व शताब्दी जैसी रेलगाड़ियां व वाल्वो सेवा जैसी अन्य मंहगी बस सेवाओं में बेशक यात्रियों की सुरक्षा काफ़ी हद तक बनी रहती है। अधिक किराया वसूलने वाले यातायात के इन माध्यमों में अवांछित लोगों को घुसने ही नहीं दिया जाता। जबकि ठीक इसके विपरीत सामान्य व मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में व सरकारी व ग़ैर सरकारी निजी बसों में कोई भी व्यक्ति किसी भी रूप में घुस सकता है और वह अपनी मर्ज़ी के मुताबिक़ यात्रियों की चिंताओं को बढ़ा सकता है या उन्हें परेशानी में डाल सकता है।

यदि हम ट्रेन की बात करें तो भीख मांगने वालों से लेकर भगवा वस्त्र धारण किये लाखों लोग रोज़ाना बिना टिकट के ट्रेन्स में यात्रा करते हैं। गोया इन्होंने भगवा वस्त्र को ट्रेन यात्रा का फ़री पास समझ रखा है। यह केवल यात्रा ही नहीं करते बल्कि टिकटधारी यात्रियों के लिये बड़ी सिरदर्दी का कारक भी बनते हैं। चलती ट्रेन में गेट पर बैठे रहना तो गोया इनकी आदत में शामिल है ही, इसके अलावा ट्रेन में बीड़ी सिगरेट यहाँ तक कि शराब भी पीते हैं,वाशरूम में गंदगी फैलाते हैं। कोई इन्हें रोकने टोकने वाला नहीं। यदि कोई यात्री इनकी हरकतों पर इन्हें टोके तो यह अवांछित यात्री उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाते हैं। इसी तरह भिखारी, हिजड़े, अनिधकृत वेंडर्स आदि सभी को मुफ़्त रेल यात्रा की खुली छूट मिली हुई है। कोई कान फोड़ू गीत संगीत सुनाकर पैसे वसूलता है तो कोई हिजड़ा मुंह पर तालियां ठोक कर पैसे मांगता है। पैसे न देने पर तो यह किसी किसी यात्रियों को थप्पड़ भी जड़ देते हैं। यदि आप यू पी और बिहार की ओर ट्रेन यात्रा करें तो इस रुट पर भी अनेक महिलाएं व हिजड़े पैसे मांगते नज़र आ जायेंगे।

इसी तरह ट्रेन में कोई व्यक्ति किसी जवान लड़की को साथ लेकर उस लड़की के ब्याह के लिये कन्यादान के रूप में पैसे वसूलने को अपना धंधा बनाये हुए है तो कोई नक़ली अँधा व अपाहिज बनकर पैसे मांगता फिरता है तो कोई झाड़ू लेकर सफ़ाई करने के बहाने यात्रियों से पैसे मांगता है। और इन्हीं अवांछित तत्वों में से कोई भी नज़र बचते ही किसी यात्री का सामान लेकर चंपत हो जाता है। तो कोई किसी यात्री को ज़हरखुरानी का शिकार बनाकर उसका सामान भी लूट ले जाता है और उसकी जेबें भी ख़ाली कर जाता है। इसतरह के अवांछित नेटवर्क से जुड़े अधिकांश लोग नशे के आदी होते हैं और यात्रियों से पैसे लूट या वसूलकर जुआ व नशे जैसे व्यसन करते हैं। देश के अनेक बड़े व माध्यम श्रेणी के रेल स्टेशंस पर इन्हें सक्रिय देखा जा सकता है। परन्तु आष्चर्य है कि आम लोगों को तो यह सब नज़र आता है परन्तु सरकार व रेल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित अमले को यह सब दिखाई नहीं देता ? हद तो यह है कि टिकट निरीक्षक जोकि आम इज्ज़तदार यात्रियों के पास किसी कारणवश टिकट न होने या उपयुक्त टिकट न होने पर उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाता है या उसपर जुर्माना ठोक देता है अथवा ट्रेन से नीचे उतरने हेतु उसे बाध्य कर देता है उस टिकट निरीक्षक को भी बेटिकट यात्रा करने व यात्रियों की सुरक्षा हेतु ख़तरा बनने वाले ऐसे संदिग्ध व अवांछित तत्व नज़र नहीं आते ?

इसी तरह बसों में भी जहाँ कुछ मेहनतकश लोग पानी, ठंडा,नारियल, कंघी आदि दैनिक उपभोग या खाने पीने की अनेक सामग्रियां बेचकर अपना पेट पालते हैं वहीं इसमें भी कई भिखारी यात्रियों के सर पर कहीं डफ़ली बजाकर पैसे वसूलता है तो कहीं कोई हिजड़ा बसों में घुसकर मुफ़्त यात्रा करते करते लोगों से तालियां बजा बजाकर पैसे मांगता है। यदि आप चंडीगढ़ रुट पर बसों में यात्रा करें तो यह दृश्य आपको अनेक सरकारी व निजी बसों में देखने को मिलेगा। आश्चर्य है कि ड्राइवर कंडक्टर भी इन्हें नीचे नहीं उतारते। धप्पर टोल पर तो कभी कभी हिजड़ों का पूरा झुण्ड सभी लेन्स पर डटकर खड़ा हो जाता है और बसों ही नहीं बल्कि कारों के भी शीशे पीट पीटकर शीशा खोलने को विवश करता है और पैसे वसूलता है। इस तरह के अवांछित लोगों से व इनकी हरकतों से सभी वाक़िफ़ हैं परन्तु न ही इन्हें कोई नियंत्रित करने वाला है न ही किसी को यात्रियों की सुरक्षा व मान सम्मान की चिंता है। यही वजह है कि इनकी न केवल संख्या बढ़ती जा रही है बल्कि इनके हौसले भी बुलंद होते जा रहे हैं।

सरकार की ओर से देश की छवि चमकाने की तरह तरह की बातें की जाती हैं। कभी विश्व गुरु बनने का डंका पीटा जाता है तो कभी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देने का दावा करने वाली इसी सरकार द्वारा ही भारत के विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की बातें की जाती हैं। परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि आज भी इस देश में आम यात्री ट्रेन व बसों में सुरक्षित नहीं है। वह बेफ़िक्र होकर अपनी यात्रा नहीं कर सकता। कहना ग़लत नहीं होगा कि अवांछित तत्वों तथा सरकार द्वारा इनकी अनदेखी किये जाने के कारण देश की सामान्य यातायात व्यवस्था पूरी तरह से असुरक्षित है।

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन- मनन)

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं।

इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत् प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सार्मथ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

विचार मंथन

जश्न का मातम में बदल जाना, सवाल जिम्मेदारी का

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

बेंगलुरु एक ऐसा शहर जो पढ़ने-लिखने वालों के लिए केंद्र-बिंदु और देश का सबसे बड़ा आईटी इंडस्ट्री हब है। यहां भगदड़ की घटना हो जाना कोई सामान्य बात नहीं कही जा सकती है। इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच होनी ही चाहिए और तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। दरअसल जब-जब इस प्रकार के हादसे होते हैं, तब-तब इसी तरह की बातें सामने आती हैं। आगे से इस तरह का कोई और हादसा न हो इसके लिए सरकारें प्रतिबद्ध दिखती हैं। बावजूद इसके हादसा होकर रहता है और सारे इंतजाम ढाक के तीन पात साबित हो जाते हैं। जहां तक बेंगलुरु हादसे का सवाल है तो इसमें कोई शक नहीं कि देश-विदेश में क्रिकेट को लेकर एक अलग दीवानगी है, लेकिन जीत के जश्न के लिए एकत्र हुए लोग अपना भला-बुरा ही भूल गए हों, ऐसा भी नहीं हो सकता है। जरा सोच कर देखें कि जिस स्टेडियम में 45 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था हो वहां चार से पांच लाख के करीब लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो क्या होगा? यह दृष्य किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। बताया जा रहा है कि लोगों की भीड़ किसी भी तरह से बस स्टेडियम के अंदर जाने पर आमादा थी। एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर आगे बढ़ने की कोशिश में लगे लोग सिर्फ और सिर्फ मौत को निमंत्रण देने का कार्य कर रहे थे। नतीजे में ऐसा कुछ घटित हुआ कि अचानक भगदड़ मच गई और हृदय विदारक मौतों का अनचाहा वीभत्स मंजर आंखों को धुंधलाता हुआ सामने आ गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ कि आखिर इसकी जिम्मेदारी किसकी है और यह कैसे तय किया जाए? हादसे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत देश के अनेक नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस हादसे में जो घायल हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामनाएं की गईं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने मुआवजे और राहत राशि का भी ऐलान कर दिया। अब विचारवानों द्वारा बताया जा रहा है कि राज्य सरकार को ऐसे आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए।

यहां बताते चलें कि जीत की खुशी के दिन बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका सुबह से ही उल्लास और उमंग से भरा हुआ था। आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी की ऐतिहासिक जीत के बाद हजारों प्रशंसक जश्न में डूबे हुए थे। लेकिन दोपहर होते-होते यह उत्सव मातम में बदल गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसने सवाल खड़ा किया कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी किसकी है? यह पहली बार नहीं है कि किसी भीड़-भाड़ वाले आयोजन में अव्यवस्था ने निर्दोष लोगों की जान लेने का काम किया हो। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या घनत्व अत्याधिक है और प्रशासनिक तैयारियां अक्सर आखिरी क्षणों पर की जाती हैं, वहां ऐसे हादसे दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन चौंकाने वाले नहीं माने जाते हैं। फिर चाहे वह प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ वाली दुखद घटना रही हो, या फिर जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ हुई हो या अब बेंगलुरु का यह हादसा, सभी में कहीं न कहीं एक समान लापरवाही की परतें ही खुलती नजर आती हैं। बहरहाल आरसीबी की जीत के बाद जश्न के आयोजन को लेकर जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है उसके मुताबिक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और एक इवेंट कंपनी द्वारा इस आयोजन को किया गया था। हैरानी वाला दावा यह है कि इसके लिए न तो स्थानीय प्रशासन और न ही राज्य सरकार ने आयोजन की अनुमति को लेकर स्पष्टता दिखाई। इसलिए यह मामला और भी ज्यादा जटिल होता जा रहा है। यहां कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस घटना पर स्वत- संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब-तलब कर लिया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने तो मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत केएसीए अधिकारियों और इवेंट कंपनी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से मामला दर्ज करने की मांग कर दी है। वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हुए हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो कुंभ मेले जैसी दुखद घटना का भी हवाला देते हुए कह दिया कि वे अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच रहे हैं, लेकिन यह भी माना जाना चाहिए कि ऐसे हादसे पहले भी हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ ही 85.82 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने की वजह से रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.96 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर की बढ़ती मांग और निवेशकों के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति बैठक के परिणाम से पहले सतर्क होने का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपना तीन दिवसीय मंथन शुरू कर दिया है जिसके परिणाम छह जून को घोषित किए जाएंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 85.96 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.87 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.85 पर रहा।

ऑनलाइन रिटर्न फाइ लिंग शुरू

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की शुरुआत हो गई है। हालांकि, एक्सपर्ट की सलाह है कि टैक्सपेयर्स को अभी रिटर्न फाइल करने से बचना चाहिए। अभी कई डेटा अधूरे हैं, जिनके चलते रिटर्न में गलत जानकारी भरने की आशंका रहती है। हालांकि, अभी आईटीआर-1 (सहज) और आईटीआर-4 (सरल) फार्म के लिए ऑनलाइन फाइलिंग की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं विभाग की ओर से आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए जल्द ही यूटिलिटी एक्टिव की जाएगी।

वित्त मंत्री देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा करेंगीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। इस उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) में होगी, जिसमें वित्त क्षेत्र के नियामक और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शामिल होंगे। वित्त वर्ष 2025 में भारत की 6.5 प्रतिशत की विकास दर की समीक्षा की जाएगी, जिसे पिछले चार सालों में सबसे धीमी दर घोषित किया गया है। इस बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था की जल्दी बढ़ी गति और चुनौतियों का मुकाबला भी महत्वपूर्ण चर्चा के लिए होगा। एफएसडीसी की बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, वित्तीय स्थिरता, और विकास के नए मार्गों पर भी चर्चा की जाएगी। इस समीक्षा से देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस वर्ष वेस्टर्न कोलफील्ड्स का कर-पूर्व मुनाफा बढ़ा

नागपुर। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषंगी कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) का वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कर-पूर्व मुनाफा 4.64 प्रतिशत बढ़कर 4,375.55 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023-24 में 4,181.67 करोड़ रुपये का कर-पूर्व मुनाफा दर्ज किया था। डब्ल्यूसीएल के निदेशक ने कर-पूर्व मुनाफे में बढ़ोतरी का श्रेय नई खदानों की शुरुआत, प्रौद्योगिकी को आधुनिक बनाने और पर्यावरणीय स्थिरता पर नए सिरे से ध्यान देने सहित कई रणनीतिक पहलों को दिया। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उसका कर-पूर्व लाभ उसकी स्थापना के बाद से अब तक का सबसे अधिक है। डब्ल्यूसीएल महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 47 से अधिक कोयला खदानों का संचालन करती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ई-बस के प्रवेश की तैयारी कर रही जेबीएम

अगले महीने जर्मनी में कई वैश्विक मॉडलों में से पहला मॉडल पेश किया जाएगा

नई दिल्ली।

तीन अरब डॉलर मूल्य वाली वैश्विक भारतीय कंपनी जेबीएम ऑटो इस महीने जर्मनी में अपनी पहली सिटी बस - इको-लाइफ पेश करके अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक बस (ई-बस) बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी है। यह पेशकश ऐसे समय में की जा रही है, जब भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं, जो इस साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। जेबीएम इस साल विभिन्न देशों में कई वैश्विक मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, जिनमें उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया, एशिया प्रशांत, पश्चिम एशिया और अफ्रीकी देश भी शामिल हैं।

जर्मनी में प्रवेश के साथ भारतीय वाहन विनिर्माता यूरोपीय बाजार का बड़ा हिस्सा हासिल करने की योजना बना रही है, जिसमें फिलहाल सालाना 30,000 ई-बसों की पैठ दिख रही है। बताया जा रहा है` कि अगले महीने जर्मनी में अपने कई वैश्विक मॉडलों में से पहला मॉडल पेश` किया जाएगा। कंपनी ने कहा ` कि हमारी सिटी बस इको-लाइफ साइबर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है और पश्चिमी देशों के मानकों को पूरा करती है, जिसमें लेन सहायता और पैदल यात्रियों की स्थिति संबंधी सुरक्षा सुविधा जैसे यूरोपीय विनिर्देश शामिल हैं।

हम इस तरह से ई-बस श्रेणी में उतरने वाली एकमात्र भारतीय कंपनी होंगे।

स्नोफ्लेक भारत में शुरू करेगी अनुसंधान एवं विकास केंद्र

कंपनी इस साल करीब 100 और लोगों को देगी नौकरी

नई दिल्ली।

क्लाउड आधारित डेटा वेयरहाउसिंग कंपनी स्नोफ्लेक ने अपने उत्कृष्टता केंद्र के बाद भारत में आरऐंडडी केंद्र की शुरूआत करने की योजना बताई है। कंपनी के एक अधिकारी ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने कहा` कि हम अपने भारतीय कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। स्नोफ्लेक के भारत में अब 600 से अधिक कर्मचारी हैं और कंपनी इस साल करीब 100 और लोगों को नौकरी देने की योजना बना रही है। कार्य अधिकारी ने बताया कि उनका पुणे का उत्कृष्टता केंद्र आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस योजना में आरऐंडडी केंद्र का महत्वपूर्ण स्थान होगा, जिससे कंपनी की तकनीकी क्षमता और उद्यम स्तर पर वृद्धि होगी। इसके साथ ही कंपनी का बेंगलुरु में एक कार्यालय है, जिससे भारतीय बाजार में मजबूत पैर रखने का संकेत मिलता है। इस नए केंद्र के माध्यम से स्नोफ्लेक ने भारत में अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को मजबूत करने की प्लानिंग की है, जिससे कंपनी और भारतीय बाजार दोनों को लाभ होगा।

अब 10 हेक्टेयर में भी बन सकेगी सेमीकंडक्टर यूनिट

विभिन्न छूट और नए मानदंडों के माध्यम से उत्पादन को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में स्थापित की जाने वाली इकाइयों के लिए नियमों में सुधार किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना में ऐसी एसईजेड इकाइयों की स्थापना के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता को 50 हेक्टेयर से घटाकर 10 हेक्टेयर कर दिया है। व्यापक बदलावों में सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और अन्य उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। नये निर्देशों के अनुसार इस क्षेत्र में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए और भारी निवेश करने की सुविधा प्रदान की गई है। सेमीकंडक्टर मिशन में एक चरण के सफल समापन के बाद सरकार अब अगले चरण की योजना कर रही है। इसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र बनाना है। इस नये दिशानिर्देश के तहत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाइयों को सरकारी मदद और समर्थन का अधिक मौका मिलेगा। एसईजेड इकाइयों के लिए 5 साल में शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जित करना आवश्यक है। यह एसईजेड अधिनियम के तहत तमाम लाभों का फायदा उठाने की शर्तों में शामिल है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को शुरू किया गया था। उसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उत्पादन के लिए एक दमदार परिवेश का निर्माण करना है ताकि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं डिजाइन के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। सरकार अब सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण को शुरू करने की तैयारी कर रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443 अंक बढ़कर 81,442.04 अंकों के स्तर पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 130 अंक बढ़कर 24,750.90 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मिडकैप शेयरों की बात करें तो आज उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप 101 अंक की बढ़त के साथ 16,296.65 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयर हिंद जिंक, ग्लेनमार्क और एलटी फाइनेंस रहे। इनमें 5.04 फीसदी, 4.76 फीसदी और 4.65 फीसदी की बढ़त रही। । एंजल वन और सीडीएसएल के शेयरों में भी 4.57 फीसदी और 4.56 फीसदी की तेजी रही। दूसरी ओर आरबीएल बैंक, हुडको, सोना बीएलडब्यू, फेडरल बैंक और डिक्सन टेक्नोलॉजी के शेयरों में 2.63 फीसदी, 2.26 फीसदी, 1.85 फीसदी, 1.85 फीसदी और 1.75 फीसदी की गिरावट रही और ये सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

शेयर बाजार में तेजी का कारण भारतीय रिजर्व बैंक के रिपो रेट में कटौती करने की उम्मीदें है। जिससे निवेशक उत्साहित हैं। इसके अलावा, अमेरिका की अर्थव्यवस्था में मंदी के संकेत और कमजोर डॉलर के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर रुख कर सकते हैं। भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते की संभावना और रुपये की मजबूती से भी बाजार ऊपर आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला। हालांकि, खुलने के कुछ ही मिनटों में यह फिसल गया। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 98.52 अंक चढ़कर

81,096.77 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली बढ़त के साथ 24,691.20 पर खुला। सुबह शुरुआत में यह 43.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,663 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो ऐ शियाई बाजार- एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। अमेरिका में निजी क्षेत्र की भर्ती के कमजोर आंकड़ों ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर व्यापार नीति की अनिश्चितता के प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। जापान का निक्केई इंडेक्स गिरावट में था। जबकि ब्रोडर इंडेक्स टोपिक्स 0.5 फीसदी नीचे था। कोस्पी में 0.95 फीसदी की तेजी हुई, एएसएक्स 200 में 0.2 फीसदी की वृद्धि हुई। वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स में 0.22 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त हुई, जबकि नैस्डैक में 0.32 फीसदी की बढ़त हुई।

सोना हुआ सस्ता, 1 लाख के पार पंहुची चांदी

सोने के भाव 98,500, जबकि चांदी 1,01,600 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

सोने के भाव में गुरुवार को शुरुआत में नरमी, जबकि चांदी भाव तेजी के साथ कारोबार देखा गया है। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने के भाव 98,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,01,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 123 रुपये की गिरावट के साथ 98,456 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 98,579 रुपये था। इस समय यह 64 रुपये की गिरावट के साथ 98,515 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 119 रुपये की तेजी के साथ 1,01,499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,01,380 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 259 रुपये की तेजी के साथ 1,01,639 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा गिरावट के साथ और चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,398 डॉलर प्रति औंस के भाव

पर खुला। पिछला बंद भाव 3,399.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.70 डॉलर की गिरावट के साथ 3,393.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.65 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 34.64 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 34.68 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पिछले पांच वर्ष में 84 प्रतिशत बढ़ी स्टेनलेस स्टील की खपत

वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी

मुंबई। पिछले पांच वर्ष में घरेलू स्टेनलेस स्टील की खपत 84 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 48 लाख टन तक पहुंच गई। उद्योग संगठन भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 34.6 लाख टन हो गई। आईएसएसडीए के एक अे धिकारी ने ग्लोबल स्टेनलेस-स्टील एक्सपो 2025 (जीएसएसई 2025) में कहा कि यह मांग बुनियादी ढांचे, रेलवे, हवाईअड्डे, मेट्रो आदि क्षेत्रों से प्रेरित है। आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में मांग सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 39.4 लाख टन हो गई थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 48 लाख टन तक पहुंचने से पहले 2023-24 में 44.9 लाख टन थी। उन्होंने कहा` कि मांग मुख्य तौर पर भवन एवं निर्माण, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, रेलवे व परिवहन आदि क्षेत्रों से खपत में मजबूत वृद्धि से प्रेरित रही। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार देश में स्टेनलेस स्टील की मांग के अगले दो से तीन वर्ष में सालाना आधार पर सात से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गिग और एस1 झेड की डिलीवरी 2025 के अंत तक स्थगित

नई दिल्ली।

अपने सबसे किफायती मॉडल, गिग और एस1 झेड की डिलीवरी ओला इलेक्ट्रिक ने साल 2025 के अंत तक स्थगित कर दी है। ओला के अनुसार, कंपनी अपनी रोडस्टर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के विकास को प्राथमिकता दे रही हैं और अपने संचालन को बेहतर बनाने के साथ-साथ बिक्री नेटवर्क को भी मजबूत करना चाहती हैं। पहले ये स्कूटर मई 2025 में लॉन्च होने वाले थे, लेकिन कंपनी ने हाल ही में एक निवेशक कॉल में इस निर्णय की जानकारी दी। पिछले साल लॉन्च हुआ गिग मॉडल दो वेरिएंट में आता है। ओला गिग की एक्स-शोरूम कीमत 39,999 रुपए है और यह छोटी राइड्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें 1.5 केडब्ल्यूएच की रिमूवेबल बैटरी लगी है, जो फुल चार्ज पर 112 किलोमीटर की रेंज देती है। वहीं, गिग+ वेरिएंट की कीमत 49,999 रुपए है और इसमें सिंगल या डबल बैटरी विकल्प मिलते हैं, जो क्रमशः 81 किलोमीटर और 157 किलोमीटर की रेंज देते हैं। इसकी टॉप स्पीड 45 किमी/घंटा है।

ओला एस1 झेड का शुरुआती एक्स-शोरूम प्राइस 59,999 रुपए है। यह भी 1.5 केडब्ल्यूएच की रिमूवेबल डुअल बैटरी के साथ आता है, जिसकी रेंज सिंगल बैटरी पर 75 किलोमीटर और दोनों बैटरियों पर 146 किलोमीटर है। इसमें 2.9 केडब्ल्यू की हब मोटर लगी है, जो 4.8 सेकेंड में 0-40 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है। इसके अलावा, एस1 झेड प्लस वेरिएंट की कीमत 64,999 रुपए है, जो 70 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देता है। ये दोनों मॉडल अपने-अपने सेगमेंट में सबसे किफायती और प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर माने जाते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक अब गहरे संकट में

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक अब गहरे संकट में है। कभी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में शीर्ष पर रही ओला कंपनी मई 2024 में कंपनी ने 49 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन मई 2025 तक यह गिरकर मात्र 18प्रतिशत पर आ गई। इस दौरान ओला की बिक्री 37,388 यूनिट से घटकर 18,499 यूनिट पर पहुंच गई। वहीं, टीवीएस मोटर ने 24,560 यूनिट्स की बिक्री कर 24प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल कर लिया और बजाज ऑटो ने 21,770 यूनिट्स के साथ 22प्रतिशत हिस्सेदारी पाई।

ओला की इस गिरावट के पीछे ग्राहक असंतोष बड़ी वजह मानी जा रही है। सस्पेंशन फेल, रेंज को लेकर गलत दावे और कमजोर सर्विस नेटवर्क जैसी शिकायतें लगातार सामने आई हैं। ऐसे में कंपनी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोडस्टेर एक्स लॉन्च कर नई उम्मीदें जगाई हैं। इस बाइक की कीमत रुपए 74,999 से रुपए 99,999 के बीच रखी गई है और यह तीन बैटरी विकल्पों के साथ आती है। इसमें 11 केडब्ल्यू मोटर, 124 किमी प्रति घंटा की टॉप स्पीड और लगभग 200 किमी तक की क्लेम्ड रेंज है।

इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल और रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें भी दी गई हैं।

कंपनी को उम्मीद है कि यह बाइक ग्राहकों को फिर से आकर्षित करेगी और बाजार में उसकी स्थिति को सुधारने में मदद करेगी।

हालांकि जानकारों का मानना है कि सिर्फ एक नई बाइक से बाजार में वापसी संभव नहीं है। ओला को अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता सुधारनी होगी, ग्राहकों का भरोसा जीतना होगा।

जीमेल मोबाइल ऐप में एक नया एआई आधारित फीचर पेश

नई दिल्ली।

एक नया एआई आधारित फीचर गूगल ने अपने जीमेल मोबाइल ऐप में पेश किया है। यह फीचर यूजर्स को लंबी ईमेल थ्रेड्स का सारांश अपने आप दिखाएगा। फिलहाल यह सुविधा केवल अंग्रेजी भाषा में और गूगल वर्कस्पेस के पेड यूजर्स के लिए उपलब्ध है। पहले यूजर्स को किसी ईमेल का सारांश देखने के लिए समराइज दिस ईमेल विकल्प पर टैप करना पड़ता था, लेकिन अब जेमिनी एआई खुद तय करेगा कि किस ईमेल थ्रेड में सारांश की जरूरत है। यदि जरूरत होगी, तो यह फीचर थ्रेड का सारांश ईमेल के शीर्ष पर दिखा देगा। यह समरी थ्रेड में नए उत्तर आने पर अपने आप अपडेट भी हो जाएगी। हालांकि, यदि कोई यूजर इस एआई आधारित सुविधा का उपयोग नहीं करना चाहता, तो वह जीमेल की सेटिंग्स में जाकर स्मार्ट फीचर्स को बंद कर सकता है, लेकिन ऐसा करने से अन्य स्मार्ट फीचर्स भी बंद हो सकते हैं। गूगल का कहना है कि यह फीचर यूजर्स के डेटा को स्थानीय स्तर पर प्रोसेस करता है और किसी बाहरी सिस्टम में डेटा शेयर नहीं किया जाता, जिससे प्राइवेसी बनी रहती है। यह फीचर उन यूजर्स के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें रोजाना कई लंबी मेल्स पढ़नी पड़ती हैं। गूगल ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में जीमेल में और भी एआई फीचर्स जोड़े जा सकते हैं, जैसे मेल का जवाब ऑटोमैटिक टाइप करना, टोन सुधारना और ईमेल का ड्राफ्ट तैयार करना।

सैमसंग की डील से गूगल को लग सकता है तगडा झटका

नई दिल्ली।

दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने स्मार्टफोन इकोसिस्टम में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सैमसंग एक अनुबंध करने जा रही है। इससे गूगल को बड़ा झटका लग सकता है। सैमसंग अमेरिका की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप परप्लेक्सीटी एआई के साथ साझेदारी की अंतिम चरण की बातचीत में है। इस डील के फाइनल होते ही परप्लेक्सीटी का एआई असिस्टेंट सैमसंग के नए डिवाइसेज में प्री-इंस्टॉल होगा। कंपनी इसे ब्राउजर, बिक्सी वर्चुअल असिस्टेंट और अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में कई जगहों पर इंटीग्रेट करने की योजना बना रही है। सैमसंग इस बदलाव को 2025 तक लागू करने का लक्ष्य लेकर चल रही है और ऐसा माना जा रहा है कि 2026 में लॉन्च होने वाली गैलेक्सी एस26 सीरीज से इसकी शुरुआत की जा सकती है। यह साझेदारी सैमसंग के एआई विजन में बड़ा परिवर्तन मानी जा रही है। अब तक कंपनी अपने गैलेक्सी एआई फीचर्स के लिए गूगल के जेमिनी मॉडल का उपयोग करती रही है, लेकिन परप्लेक्सीटी एआई के साथ साझेदारी से यह निर्भरता काफी हद तक खत्म हो सकती है।परप्लेक्सीटी के लिए भी यह डील एक बड़ी छलांग होगी। कंपनी पहले ही मोटोरोला के कुछ रेजर सीरीज फोन में अपना एआई असिस्टेंट देने के लिए साझेदारी कर चुकी है, लेकिन सैमसंग जैसी बड़ी कंपनी के साथ टाई-अप से उसे वैश्विक स्तर पर और पहचान मिल सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

पेरिस।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर रिकॉर्ड 51वें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। नोवाक जोकोविच ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक ज्वेरेव को सबसे बड़े मंच पर हराना वह चीज है, जिसके लिए मैं निश्चित रूप से मेहनत करता हूं और मैं अभी भी इस उम्र में रोजाना अभ्यास करता हूं। अब जोकोविच का मुकाबला सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर से होगा।अगर जोकोविच जीत जाते हैं। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में नंबर 2 सीड कार्लोस अल्काराज लोरेंजो मुसेट्टी को हरा देते हैं, तो ये एक ऐसा रिकार्ड बन सकता है, जो पहले कभी नहीं किया। एटीपी रैंकिंग के इतिहास में किसी भी व्यक्ति ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने के लिए शीर्ष 3 रैंक वाले खिलाड़ियों को नहीं हराया है। जोकोविच जिनेवा में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के बाद यहां पहुंचे हैं। सर्बियाई खिलाड़ी 2023 यूएस ओपन के बाद से अपने पहले बड़े खिताब की तलाश में हैं।

आईपीएल के बाद बेहतर कप्तान के तौर पर उभरे श्रेयस

नई दिल्ली।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में भले ही अपनी टीम को खिताब नहीं जिता पाये हों पर वह एक बेहतर नेतृत्वकर्ता के रुप में उभरे हैं। श्रेयस ने जहां पिछले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 10 साल बार खिताब जिताया था। वहीं इस बार पंजाब की कप्तानी करते हुए उसे 11 साल बाद फाइनल में पहुंचाने में वह सफल रहे। इस दौरान वह एक संयमित कप्तान के तौर पर उभरे हैं जो दबाव के बीच भी शांत बना रहता है। उनकी कप्तानी में एक बार दिल्ली कैपिटल्स भी फाइनल में पहुंची थी। श्रेयस महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे कप्तान हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के साथ वह ऐसा करने में सफल रहे हैं। उन्होंने आईपीएल के इस सत्र में 603 रन बनाये हैं। इस सब के बाद भी उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है जो हैरानी की बात है। आईपीएल के पिछले सत्र में केकेआर ने रिटेन नहीं किया था जिसके लिए अब वह जरुर पछता रही होगी। वहीं इससे पंजाब को खासा लाभ हुआ। वहीं पिछले सत्र में शीर्ष पांच टीमों में भी शामिल नहीं थी पर इस सत्र में दूसरे नंबर पर आई है। श्रेयस के आने से पंजाब किंग्स को एक अच्छा बल्लेबाज और जुनूनी कप्तान मिला। ऐसा कप्तान जो करियर के उतार-चढ़ाव के बीच भी स्थिर बना रहता हो। अय्यर की कप्तान में अपनी समझदारी के साथ करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी जैसा संयम और विराट कोहली जैसा आक्रामक रवैया होने के साथ रोहित शर्मा जैसा बिंदास व्यवहार भी है। आईपीएल के फाइनल में मिली हार के बाद भी अय्यर का मनोबल कम नहीं हुआ और उन्होंने निराशा को पीछे छोड़ते हुए कहा, 'अभी काम आधा बाकी है, हमें अगले साल जीतना है। वहीं इंग्लैंड के लिए टीम में उन्हें शामिल नहीं किये जाने से पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग हैरान हैं। उनका कहना है कि इस झटके को भी श्रेयस ने आसानी से संभाल लिया। साथ ही कहा कि उसमें में हर बार अच्छा प्रदर्शन करने की ललक रहती है। वह हर मैच को जीतना चाहता है और एक सर्वश्रेष्ठ कप्तान के रूप में विकसित होना चाहता है। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का यह बयान काफी मायने रखता है। पोंटिंग ने यह बात सिर्फ अपने फ्रैंचाइजी कप्तान का समर्थन करने के लिए नहीं कही। इन दोनों के बीच काफी पुराना रिश्ता है। साल 2017 में जब गौतम गंभीर ने बीच सत्र में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया, तो पोंटिंग की सलाह पर ही अय्यर दिल्ली आईपीएल फ्रैंचाइजी के कप्तान बने। दिल्ली की फ्रेंचाइजी 2020 में आईपीएल फाइनल में पहुंची जो इस टीम की इस लीग की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

वैभव की बल्लेबाजी क्षमताओं को देखकर हैरान हैं सबा करीम और आमरे

मुम्बई।

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने इस सत्र में जिस प्रकार 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया उससे दिग्गज भी हैरान हैं और कई लोगों का मानना है कि वह भविष्य का सितारा है। वैभव ने स्पिनर राशिद खान के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा का सामना बेखौफ होकर किया जिससे उसकी उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। वैभव के प्रदर्शन को लेकर उसके बचपन के कोच बेहद उत्साहित हैं अनका मानना है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम में शामिल होगा। वैभव की पारियों को लेकर भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ सबा करीम ने कहा, मैंने वैभव की ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ अंडर-19 और कुछ दूसरी पारियों के वीडियो देखे थे। उसके बाद से ही मैं समझ गया था कि उसमें अलग ही बात है। वैभव की प्रतिभा के बारे में वो कहते हैं, मैं उनसे शतक की उम्मीद तो नहीं कर रहा था पर इस 14 साल के बल्लेबाज़ 145 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा रफ़्तार से फेंकी गई गेंदों को अच्छे तरीके से खेलते देखना एक शानदार अनुभव था।

वहीं पूर्व क्रिकेटर प्रवीण आमरे भी वैभव के प्रदर्शन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा ,वैभव के खेल में जो चीज मुझे सबसे पसंद है वो है टाइमिंग. चाहे आप नए बल्लेबाज़ हों या फिर अनुभवी, बैटिंग पूरी तरह टाइमिंग का मामला है। उस दिन वैभव ने दिखाया उसकी टाइमिंग कितनी बेहतरीन है। वो जानता है कि चौका-छक्का कैसे मारा जाए। उससे भी ज्यादा वो ये जानता है कि गेंदबाजों पर हावी होकर कैसे खेला जाए। साथ ही कहा कि ऐसी सभी प्रतिभाएं अपनी क्षमताओं को लेकर आत्मविश्वास से भरी होती हैं। उनके सामने ये साफ होता है कि उन्हें क्या करना है। वहीं वैभव के कोच और मनीष ओझा कहते हैं, मुझे अच्छी तरह वो दिन याद है जब वैभव और उनके पिता संजीव पहली बार 2018 में मेरी एकेडमी में आए थे, तभी उसके अंदर कुछ अलग नजर आया।

टी20 मुंबई लीग में सूर्यकुमार की आक्रामक बल्लेबाजी, 27 गेंदों में अर्धशतक लगाया

मुम्बई।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने यहां खेली जा रही टी20 मुंबई लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट में ट्रायम्फस नाइट्स एमएनई टीम की कप्तानी करते हुए ईगल थाणे स्ट्राइकर्स के खिलाफ आक्रामक पारी खेली। सूर्या ने केवल 27 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ट्रायम्फस के लिए राहत कि बात ये रही की सूर्यकुमार का आईपीएल से शुरु हुआ फार्म बना हुआ है। ऐसे में विरोधी टीम के गेंदबाजों को उनके आउट होने पर राहत मिली। सूर्यकुमार ने ट्रायम्फस नाइट्स की ओर से 27 गेंदों में 8 चौके और 1 छक्के की सहायता से 50 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 185.19 का था। इससे उनकी टीम ने 179 रन ही बना सकी और 180 रनों का जीत का लक्ष्य ईगल थाणे स्ट्राइकर्स को दिया। स्ट्राइकर्स ने अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आईपीएल 2025 की बात करें तो सूर्यकुमार ने 16 मैचों की 16 पारियों में कुल 717 रन बनाए थे। उनका औसत इस सत्र में 65.18 का रहा। वहीं, स्ट्राइक रेट 167.92 का था। सूर्या ने इस सत्र में सबसे अधिक 69 चौके और 38 छक्के लगाये हैं।

रोनाल्डो के गोल से जर्मनी को 2-1 से हराकर नेशंस लीग के फाइनल में पहुंची पुर्तगाल

म्यूनिख।

स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जर्मनी को 2-1 से हराकर बाहर कर दिया। खराब मौसम के कारण ये मुकाबला 10 मिनट देर से शुरु हुआ। जर्मनी ने शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये।

लियोन गोरेट्जका के अलावा निक वोल्टमेड ने भी गोल करने के लिए मूव बनाये पर सफल नहीं हुए। फ्लोरियन विर्ट्ज ने 48वें मिनट पर मैच का पहला गोल दागकर जर्मनी को 1-0 से लीड में ला दिया। वहीं रोनाल्डो की पुर्तगाल ने भी वापसी करते हुए हमले किये और जर्मन की रक्षा पंक्ति की पोल खो दी। वहीं पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ ने 63वें मिनट में एक गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

जर्मनी की टीम को यहां से दबाव में आ गयी। मेंडेस के पास पर रोनाल्डो ने गोल कर टीम की बढ़त 2-1 कर दी। इसी के साथ रोनाल्डो 40 साल और 119 दिन की उम्र में जर्मनी के खिलाफ गोल करने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी बन गए। जर्मनी अब रविवार को तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ में उतरेगी, जबकि पुर्तगाल फाइनल में उतरेगी।

मैच हारने के बाद जर्मनी के कोच जूलियन नेगल्समैन ने निराशा जताते हुए कहा, यह हाल के दिनों में हमारा सबसे खराब

प्रदर्शन था।

हमने इस मैच में पूरी ताकत के साथ हमला नहीं किया था। साथ ही कहा कि अगर आप यूरोप में सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल होना चाहते हैं, तो अपना सौ फीसदी देना होगा। यह हार दुखद है, लेकिन हमें इससे सीखना चाहिए। वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा कहा, मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। यह जर्मनी की टीम के खिलाफ एक अहम मैच था।इससे पता चलता है कि हम क्या कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल में बने कई नये रिकार्ड बने

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में जहां आरसीबी के रुप में एक नई विजेता मिली है। वहीं पूरे टूर्नामेंट के दौरान कई नये रिकार्ड भी बने है। इस सत्र में 26381 रन बने जबकि 1294 छक्के लगे हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सत्र में 6 बड़े रिकॉर्ड बने हैं। वहीं इस सत्र में सबसे ज्यादा 200 रनों से अधिक के स्कोर भी बने हैं। एक सत्र में सबसे ज्यादा रन 26381 बने हैं। वहीं एक सत्र में सबसे ज्यादा रन/विकेट 30.39 हैं। एक सीजन में सबसे ज्यादा आरपीओ- 9.62, एक सत्र में सबसे ज्यादा चौके 2245, एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के 1294 और एक सत्र में सबसे ज्यादा 200 से अधिक रन का स्कोर भी 52 बार बना है।

बात ढ्ढक्क 2025 फाइनल में आरसीबी की टीम के किसी खिलाड़ी ने अर्धशतक नहीं लगाया। इसके बाद भी टीम ने मिलकर 20 ओवर में 190 रन बना दिये। इस मैच में दोनो ही टीमों के किसी भी गेंदबाज ने पांच विकेट नहीं लिए। आरसीबी की ओर से सबसे अधिक स्कोर विराट कोहली का 43 रनों का रहा। पंजाब के लिए काइल जैमिंसन और अर्शदीप सिंह ने 3-3 विकेट लिए। पंजाब किंग्स की ओर से सबसे अधिक 61 रन शशांक सिंह ने बनाये, वहीं जोश इंग्लिस ने 39 रनों की पारी खेली।

विक्ट्री परेड में हुए हादसे से दुखी है अनुष्का

मुम्बई।

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के जीत के जश्न में मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत होने और कई लोगों के घायल पर बॉलीवुड अभिनेत्री और क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा भी बेहद दुखी हैं। अनुष्का ने आरसीबी की एक पोस्ट साझा कर अपना दुख व्यक्त किया है। इससे पहले आरसीबी ने अपने पोस्ट में कहा, 'हम इस हादसे से काफी दुखी हैं क्योंकि सभी की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। आरसीबी इस घटना में हुई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है। इस घटना के सामने आने के बाद हमने अपने कार्यक्रम में संशोधन किया और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन भी किया। हम अपने सभी समर्थकों से भी अपील करते हैं कि सुरक्षित रहने पर ध्यान दें।'अनुष्का ने इस पोस्ट के साथ उन्होंने दिल टूटने वाली इमोजी साझा की है। वहीं इस दुखद घटना से कुछ घंटे पहले ही अनुष्का ने विजय परेड के खुशहाल पलों को साझा किया था, जिसमें वह विराट कोहली और टीम के साथ सवारी कर रही थीं, जब शहर भर में भारी भीड़ ने उनका स्वागत किया था पर हादसे से जश्न की खुशी मातम में बदल गयी। इस समारोह में आरसीबी के खिलाड़ियों के ट्रॉफी जीतने की खुशी साझा करने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी। मंगलवार रात को आरसीबी की जीत के बाद प्रशंसकों ने पूरे बेंगलुरु में सड़कों पर जश्न मनाया। वहीं कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने स्टेडियम के अंदर एक सम्मान समारोह आयोजित किया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित की टीम, मिचेल मार्श करेंगे कप्तानी

सिडनी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 19 जुलाई से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसमें अधिकतर वे खिलाड़ी अपनी जगह बरकरार रखने और वापसी करने में सफल हुए हैं जिनका प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा रहा था। इससे साफ है कि आईपीएल का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले मिचेल मार्श को कप्तान बनाया गया है जबकि आरसीबी की ओर प्रभावी गेंदबाजी करने वाले जोश हेजलवुड की भी टीम में वापसी होगी। वहीं आईपीएल में खराब प्रदर्शन से गुजरे दिल्ली कैपिटल्स के जेक फ्रेजर-मैकगर्क को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह मिशेल ओवेन और मैट कुहनेमैन को शामिल किया गया है। कैमरून ग्रीन भी टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। सीए चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, ÷इस सीरीज के दौरान हमारा टी20 कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा, इसके बाद दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच और भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच मैच होंगे। इसलिए. हम एक ऐसी टीम बनाने और उसे निखारने का काम जारी रखेंगे जो हमें लगता है कि उपमहाद्वीप में होने वाले विश्व कप के लिए सही रहेगी। ÷टीम के बाहर कई खिलाड़ी हैं जो अभी भी आगामी भारतीय सीरीज और बिग बैश के लिए टीम में जगह बना सकते है। आईपीएल में विफल रहे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोइनिस को भी टीम में शामिल नहीं किया गया हालांकि ग्लेने मैक्सवेल टीम में जगह बचाने में कामयाब रहे। टीम में शामिल युवा ओवेन बीबीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 11 पारियों में 45.20 की औसत से 452 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने मात्र 42 गेंदों पर शतक जड़ा और होबार्ट हरिकेंस को खिताब दिलाया।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम- मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जैम्प।

स्टेडियम का गेट नंबर 7 बना प्रशंसकों की मौत का कारण

बेंगलुरु।

यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की जीत का जश्न मानने गये लोगों को क्या मालूम था कि यहां स्टेडियम का गेट नंबर 7 मौत का दरवाजा बन जाएगा। प्रशंसक 18 साल बाद आरसीबी को मिली जीत का जश्न मनाने गये थे पर उन्हें बदले में मिली मौत। ये वो प्रशंसक थे जिनके पास टिकट थे। मरने वालों में अधिकतर युवा महिलाएं और बच्चे थे। ये प्रशंसक अपनी पसंदीदा खिलाड़ियां की एक झलक पाने के लिए सभी बेरीकेडिंग तोहड़कर गेट नंबर 7 पर उमड़ पड़े। इस दौरान वहां तैनात पुलिसकर्मी असहाये नजर आये। इन लोगों ने प्रशंसकों को रोकन का प्रशस किया पर कोई नहीं माना। जश्न में शामिल होने के लिए हजारों लोग एकसाथ गेट से आगे जाने का प्रयास कर रहे थे। इसके कारण भगदड़ मच गयी जिसमें कई लोग दबकर कुचल गये जबकि कई घायल हुए। इससे कई घरों में मातम छ गया। वहीं इस हादसे की जिम्मेदारी देने को कोई तैयार नहीं है। राज्य सरकार का कहना है कि 30 से 35 हजार लोगों के आने की उम्मीद थी पर दो से तीन लाख लोग आ गये जिससे अव्यवस्था फैल गयी। युवाओं का कहना है कि वे गेट पर कतार में खड़े थे पर भीड़ बढ़ती जा रही थी और ऐसे में अफरातफरी मच गयी। उन्होंने घायलों को बचाने का प्रयास किय पर इसमें सफलता नहीं मिल पायी। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का कहना है कि उसका इस जश्न के आयोजन से कोई संबधं नहीं है। ये स्थानीय स्तर पर हुआ था हालांकि उसने माना कि आयोजकों से गलती हुई है। वहीं राज्य सरकार ने मारे गये लोगेां के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की सहायता देने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ दिया है। वहीं राज्य क्रिकेट संघ ने इस मामले की जिम्मेदारी लेने से इंकार कर दिया है। इससे साफ है कि प्रशंसकों की जान की कीमत किसी ने नहीं समझी है। जब प्रशंसक अपनी जान बचाने के लिए जूझ रहे थे तब स्टेडियम के अंदर नेता टीम के खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचा रहे थे।

श्रेयस अय्यर की बहन ने पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

नई दिल्ली ।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन ने आईपीएल फाइनल में हार के बाद भी अंत तक संघर्ष करने के लिए टीम की प्रशंसा की है। । पंजाब को फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के से केव 6 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी को लेकर श्रेयस की बहन श्रेष्ठा अय्यर ने कहा है कि ये टीम हारे या जीते पर उनके अनुसार ये हमेशा ही विजेता रहेगी। श्रेष्ठा ने सोशल मीडिया में टीम के खिलाड़ियों की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मुझे आप सभी पर बहुत गर्व है। हारें या जीतें पर मेरी नजर में आप हमेशा चैंपियन रहेंगे। हमेशा साड्डा पंजाब। इस पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन के बाद भी श्रेयस खिताबी मुकाबले में केवल एक रन ही बना पाये। फाइनल में पंजाब की ओर से केवल शशांक शिंह ने नाबाद 61 रन बनाये। वहीं जोश इंग्लिस ने 23 गेंदों में 39 रन बनाये। पंजाब की टीम लीग स्तर पर शीर्ष पर रहीं। वहीं फाइनल हारने के बाद कप्तान श्रेयस ने कहा, उन्हें टीम के हर खिलाड़ी पर गर्व है। कई युवाओं का यह पहला सत्र था। उन्होंने निडर होकर खेला। अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम अगले साल इसे जीतेंगे। वहीं, पंजाब के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि अनुभवहीनता के कारण हमें थोड़ा नुकसान हुआ।

ऋुणाल चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली खिताबी जीत में स्पिनर ऋुणाल पांड्या की अहम भूमिका रही। ऋुणाल ने 4 ओवरों में ही 17 रन देकर दो अहम विकेट लेकर मैच पलट दिया था। ऋुणाल पांड्या ने प्रभसिमरन सिंह 26 और जोश इंगलिस 39 को आउट किया जो आरसीबी के लिए खतरनाक साबित हो सकते थे। आरसीबी की जीत के साथ ही ऋुणाल चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। ऋुणाल के अलावा रवींद्र जडेजा और लसिथ मलिंगा भी चार-चार बार आईपीएल खिताब विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। वहीं आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार आईपीएल खिताब जीतने के मामले में रोहित शर्मा और अंबाती रायडू शीर्ष पर हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने छह-छह बार ट्रॉफी जीती हैं। वहीं इस सूची में दूसरे स्थान पर महेंद्र सिंह धोनी, कीरोन पोलार्ड और हार्दिक पांड्या जिन्होंने पांच-पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। आरसीबी ने पंजाब के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 190 रन बनाये। उसकी ओर से विराट कोहली ने सबसे अधिक 43 रन बनाये। वहीं पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह और काइल जैमीसन ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अजमतुल्लाह जजई, विजयकुमार वैशाख और युजवेंद्र चहल ने एक-एक विकेट लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 184 रन ही बना पायी।

आरसीबी के लिए शशांक सिंह ने 30 गेंदों में छह छक्कों और तीन चौकों के साथ नाबाद 61 रन बनाये पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

एशियाई कप फुटबॉल के क्वालीफाइंग मुकाबले में थाईलैंड ने भारत को 2-0 से हराया

पथुम थानी।

भारतीय फुटबॉल टीम को एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के अहम मुकाबले में थाईलैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से भारतीय टीम की एशिया कप की तैयारियों को भी करारा झटका लगा है। इस दौस्ताना मैच में थाईलैंड टीम की ओर से बेंजामिन डेविस और पोरामेट अर्जविलई ने आठवें और 59वें मिनट में गोल कर बढ़त बना ली जो अंत तक कायम रही। थाईलैंड ने इस मुकाबले में भारतीय टीम पर दबाव बनाये रखा। भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री को मैच में गोल करने का एक अच्छा अवसर मिला पर वह सफल नहीं हुए। उनके शानदार हेडर को थाईलैंड के गोलकीपर सरनोन अनुई ने बचा लिया। यह मैच 10 जून को कोवलून में हांगकांग के खिलाफ होने वाले भारतीय टीम के एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के अहम मैच की तैयारी का हिस्सा था जिससें वह असफल रही। वहीं थाईलैंड को भी इस मैच में जीत चाहिये थी क्योंकि उन्हें एएफसी एशियाई कप के आखिरी दौर के क्वालीफायर में तुर्कमेनिस्तान का सामना करना है। इससे पहले छेत्री ने साल 2019 एएफसी एशियाई कप में थाईलैंड के खिलाफ भारत की 4-1 की जीत में दो गोल किए थे। भारत ने उसी साल 2019 किंग्स कप में भी थाईलैंड को 1-0 से हराया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद है किशमिश का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक किशमिश ही नहीं, किशमिश का पानी भी आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर आप हर रोज किशमिश का पानी पीते हैं, तो आपके पूरे शरीर पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बचने के लिए भी आप औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को पीना शुरू कर सकते हैं।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किशमिश का पानी आपकी किडनी के फंक्शन को सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट का पानी लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी कारगर साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

मजबूत बनाए दिल की सेहत

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काबू पाना चाहते हैं, तो किशमिश का पानी पीना शुरू कर दीजिए। किशमिश का पानी पीने से आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाकर दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा फाइबर रिच किशमिश का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

क्या आप जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाकर अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको किशमिश के पानी को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। इसके अलावा एनीमिया से बचने के लिए भी किशमिश का पानी पीने की सलाह दी जाती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से किशमिश का पानी पीना बेहद जरूरी है।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

फंगल इंफेक्शन किस विटामिन की कमी से होता है?

क्या आपको भी बार-बार फंगल इंफेक्शन की समस्या से जूझना पड़ता है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी पैदा हो गई हो। अगर किसी विटामिन की कमी के कारण आपको फंगल इंफेक्शन हो रहा है, तो आपको जल्द से जल्द इस विटामिन डेफिशिएंसी को दूर करने की कोशिश में जुट जाना चाहिए। आइए फंगल इंफेक्शन का कारण बनने वाले इस जरूरी पोषक तत्व के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी न केवल आपकी सेहत को बल्कि आपकी त्वचा को भी बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो गई है, तो आपको बार-बार फंगल इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा इस जरूरी पोषक तत्व की कमी कैंडिड संक्रमण के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

विटामिन सी की कमी

विटामिन डी के अलावा विटामिन सी की कमी भी आपकी त्वचा की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। विटामिन सी की कमी की वजह से आपके इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से आपके फंगल इंफेक्शन को ठीक होने में भी ज्यादा समय लग सकता है।

दूर करें डेफिशिएंसी

विटामिन डी और विटामिन सी की कमी को दूर करने के लिए आपको अपने डाइट प्लान में थोड़े-बहुत बदलाव करने की जरूरत है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए गाय का दूध, मशरूम, अंडे की जर्दी का सेवन किया जा सकता है। विटामिन सी रिच संतरा, किवी, ब्रोकली, टमाटर और शिमला मिर्च का सेवन कर आप इस विटामिन की कमी को दूर कर सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाने-पीने की इन चीजों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

सुबह वॉक करने से पहले इन ज़रूरी बातों का रखें खास ध्यान

सुबह के समय वॉक करने से दिनभर ताजगी का अनुभव होता है। सुबह की वॉक सिर्फ शारीरिक सेहत ही नहीं बल्कि मानसिक सेहत के लिहाज़ से भी बेहद फायदेमंद है। इसलिए अपने आप को फिट और ऊर्जा से भरपूर रखने के लिए लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं सुबह की वॉक से पहले आपको इन कुछ ज़रूरी बातों का ख़ास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप सुबह वॉक से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो फायदे की जगह आपके स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

वॉक से पहले पानी ज़रूर पिएं

जब आप उठते हैं तो आपके शरीर में पहले से ही पानी की कमी हो रही होती है। आप 6-8 घंटे तक एक घूंट भी पानी पिए बिना रह चुके होते हैं। इसलिए, बिना पानी पिए टहलने के लिए निकलना खतरनाक हो सकता है। अगर आपके शरीर में पहले से ही तरल पदार्थ की कमी है, तो पसीने की कमी से तेज़ी से डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द और थकान हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही एक या दो गिलास पानी पिएँ।

खाली पेट वॉक करने न जाएँ

कई लोगों को लगता है कि खाली पेट वॉक करने से वजन तेजी से कम होगा। जबकि ऐसा नहीं है, अगर आप भूखे पेट वॉक करने जाते हैं तो चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। कम रक्त शर्करा के कारण कमज़ोरी, मतली या टहलने के दौरान बेहोशी भी महसूस हो सकती है। ऐसे में वॉक से पहले पूरा नाश्ता करने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन कुछ हल्का फुल्का खाना ठीक रहेगा। जैसे एक केला, मुट्ठी भर भीगे हुए बादाम, टोस्ट का आधा टुकड़ा या एक छोटी सी फ्रूट स्मूदी।

वार्म-अप ज़रूर करें

वॉक से पहले एक छोटा सा स्ट्रेच रूटीन आपके हेल्दी और फिट शरीर के लिए बेहद ज़रूरी होता है। इसलिए, भले ही आप सुबह के समय सिर्फ़ 30 मिनट ही वॉक क्यों न चल रहे हों। कम से कम 3-5 मिनट का वार्म-अप ज़रूर करें। वार्म अप में आप एड़ियों को घुमाएँ, हल्के से पैर के अंगूठे को छूएँ, कंधे को हिलाएँ और गर्दन को घुमाएँ।

वॉक से पहले कैफीन का इस्तेमाल ज़्यादा न करें

वॉक से पहले कई लोग एक गर्म कप चाय या कॉफ़ी पीना पसंद करते हैं। लेकिन वॉक से पहले कैफीन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों के लिए, खाली पेट कैफीन वॉक के दौरान एसिडिटी या पेट खराब होने का कारण बन सकता है। अगर, आप ऐसे व्यक्ति हैं जो चाय या कॉफ़ी के बिना काम नहीं कर सकते, तो वॉक के बाद इसे पीने की कोशिश करें। इस तरह, पाचन क्रिया सक्रिय रहेगी, आप फिर से हाइड्रेट होंगे।

शरीर को कमजोर बना सकती है प्रोटीन की कमी

अगर आपके शरीर में किसी भी पोषक तत्व की कमी पैदा हो जाए, तो सेहत से जुड़ी कई समस्याएं आपके शरीर पर हमला बोल सकती हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की सलाह देते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए एक जरूरी तत्व है। आइए इस तत्व की कमी की वजह से शरीर में दिखाई देने वाले कुछ लक्षणों के बारे में जानते हैं।

थकान और कमजोरी

प्रोटीन की वजह से आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। अगर आपको हर समय थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मसल पेन भी इसी पोषक तत्व की कमी का संकेत साबित हो सकता है।

ज्यादा भूख लगना

प्रोटीन की कमी की वजह से आपको ज्यादा भूख लग सकती है या फिर खाने के बाद भी पेट खाली लग सकता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई है, तो आपके घाव भी धीरे-धीरे भर पाएंगे। प्रोटीन की कमी की वजह से आपको सडन वेट लॉस का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो गई है और आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो ये लक्षण भी प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

गौर करने वाली बात - प्रोटीन की कमी न केवल आपके शरीर पर बल्कि आपकी त्वचा और आपके बालों पर भी नेगेटिव असर डाल सकती है। क्या आपकी त्वचा रूखी, फटी या फिर खुरदुरी हो गई है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। बाल झड़ना या फिर नाखून टूट जाना भी इस पोषक तत्व की कमी का संकेत हो सकता है।

हाई यूरिक एसिड से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट कर लीजिए इन चीजों का सेवन

जोड़ों के दर्द से मिल जाएगी राहत

क्या आप जानते हैं कि जब आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, तो आपको जोड़ों में असहनीय दर्द और सूजन हो सकती है? यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अगर आप खाली पेट सही मात्रा में पोषक तत्वों से भरपूर कुछ चीजों का सेवन करते हैं, तो आपको हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

फायदेमंद साबित होगा आंवला

दादी-नानी के जमाने से आंवला को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। यूरिक एसिड के स्तर पर काबू पाने के लिए आप आंवला को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। हर रोज सुबह खाली पेट एक आंवला खाएं या फिर गुनगुने पानी के साथ आंवला पाउडर को मिक्स कर कंज्यूम कर लें।

पी सकते हैं नींबू का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नींबू पानी का सेवन भी कर सकते हैं। विटामिन सी रिच नींबू पानी यूरिक एसिड को न्यूट्रल करने में कारगर साबित हो सकता है। सुबह-सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में हाफ नींबू निचोड़कर पी जाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस करें। अगर आप चाहें तो औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक में पोषक तत्वों वाले शहद को भी मिक्स कर सकते हैं।

अलसी के बीज फायदेमंद

क्या आप जानते हैं कि अलसी के बीज में पाए जाने वाले तत्व यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं? एक स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगोएं और फिर अगली सुबह पानी के साथ कंज्यूम कर लें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाली पेट अलसी के बीज खाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब आईआरसीटीसी अकाउंट से टिकट बुक कराने वालों को कराना होगा सत्यापन

भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग में धांधली पर शिकंजा कसने उठाया कदम

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग में धांधली पर शिकंजा कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जो यूजर्स अपने आईआरसीटीसी अकाउंट को चालू रखना चाहते हैं, उनको अब सत्यापन करवाना होगा। भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुक करने के लिए ऑटोमेटेड टूल्स के इस्तेमाल के खिलाफ कैंपेन शुरू किया है। इस कोशिश के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्पेशल तौर से निगरानी कोशिशों के जरिए रेलवे ने पिछले 6 महीनों में 24 मिलियन से ज्यादा यूजर्स को डीएक्टिवेट और ब्लॉक कर दिया है। इसके अलावा करीब 2 मिलियन अन्य अकाउंट्स को संदिग्ध के रूप में चिह्नित किया गया। चिन्हित अकाउंट्स और अन्य दस्तावेजों के आधार पर जांच की जा रही है। मौजूदा वक्त में आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर 130 मिलियन से ज्यादा यूजर्स हैं, जिनमें सिर्फ 12 मिलियन ही आधार-वरिफाइड है। आईआरसीटीसी ने उन सभी अकाउंट्स के लिए सत्यापन कराने का फैसला लिया है, जो आधार से प्रमाणित नहीं हैं। संदिग्ध पाए जाने वाले अकाउंट्स को बंद कर दिया जाएगा। रेलवे यह तय करना चाहता है कि वास्तविक यात्रियों को सभी तरह के तत्काल टिकट मिल सकें। अपने अकाउंट्स को आधार से लिंक करने वाले यूजर्स को तत्काल टिकट बिक्री के पहले 10 मिनट में बुकिंग मिले जाएगी। यहां तक कि अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट्स को भी तत्काल खिड़की खुलने के पहले 10 मिनट में टिकट बुक करने की छूट नहीं है। इसलिए आधार कार्ड के जरिए अपने आईआरसीटीसी अकाउंट को वेरिफाई करना जरूरी हो गया है। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकटिंग प्रोसेस को और ज्यादा मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रहा है, इसके लिए कुछ नियमों को और ज्यादा सख्त बनाया जा रहा है। जैसे केवल आधार वेरिफाइड अकाउंट्स को ही ऑनलाइन तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति होगी, बुकिंग के लिए आधार कार्ड आधारित ओटीपी ऑथेंडिकेशन भी जरूरी होगा। सूत्रों ने बताया कि गड़बड़ियों को कंट्रोल करने के लिए काउंटर आधारित तत्काल टिकट भी आधार वेरिफिकेशन के बाद बुक किए जा सकते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे जल्द ही तत्काल टिकट बुक करने के लिए ई-आधार ऑथेंटिकेशन शुरू करेगा। इससे वास्तविक यूजर्स को जरूरत के वक्त कन्फर्म टिकट हासिल करने में मदद मिलेगी। बता दें 24 मई से 2 जून तक नॉन-एसी कैटेगरी में हर रोज औसतन 118,567 टिकट ऑनलाइन बुक किए गए। इनमें से 4,724 टिकट पहले मिनट में बुक किए गए, जबकि 20,786 टिकट दूसरे मिनट में बुक किए गए। करीब 66.4 फीसदी टिकट खिड़की खुलने के बाद पहले 10 मिनट में बुक किए गए। इसके अलावा करीब 84.02 फीसदी टिकट खिड़की खुलने के पहले घंटे में ही बिक गए, जबकि बचे टिकट्स अगले 10 घंटों में बिके।

बेंगलुरु भगदड़ कांड में 11 लोगों की मौत के बाद जिम्मेदारी को लेकर उठे सवाल

बेंगलुरु।

बीते रोज बेंगलुरु में भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है तो 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल जीते 18 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि सारी खुशियां मातम में बदल गई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीत का जश्न मनाने गए बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार कौन है? आरसीबी की इस जीत को कर्नाटक सरकार ने कन्नाड़िगा अस्मिता से जोड़ने की भी कोशिश की। इस इवेंट में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार के चेहरे के तौर पर सामने थे। एयरपोर्ट पर प्लेयर्स के स्वागत से लेकर उन्हें विधानसभा तक लेकर जाना, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से विराट कोहली समेत तमाम प्लेयर्स की मुलाकात करवाना, सम्मान दिलवाना, मीडिया का कैमरा हर वक्त डीके शिवकुमार पर ही फोकस रहा। जब बेंगलुरु पुलिस ने इतने बड़े इवेंट में सुरक्षा देने से अपने हाथ खड़े कर दिए थ। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आयोजन टालने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भीड़ जुटाने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठने चाहिए।बेंगलुरु को 'पढ़े-लिखे' लोगों का शहर माना जाता है। देश की सबसे बड़ी आईटी इंडस्ट्री यहीं हैं। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। मगर हमारे देश में तो क्रिकेट के आगे सब बेबस हो जाते हैं। 45 हजार लोगों की बैठना की क्षमता वाले स्टेडियम में चार-पांच लाख लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो यही हश्र होगा। लोग किसी तरह बस एक-दूसरे पर चढ़कर अंदर घुसने को आमादा थे, ये अपनी मौत को खुद बुलावा देने से कम नहीं था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना को 'बेहद हृदय विदारक' बताया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बेंगलुरु में हुई दुर्घटना बहुत ही हृदयविदारक है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि बेंगलुरू में मची भगदड़ में लोगों की मौत दुखद और हृदयविदारक है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी भगदड़ में कई लोगों की मौत पर दुख जताया और कहा कि राज्य सरकार को ऐसे आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए।

बूटा मलिक नाम के मुसलमान ने खोजी थी पवित्र अमरनाथ गुफा

नई दिल्ली।

श्री अमरनाथ आदिदेव भगवान शंकर की पवित्र उपाधि है। धरती का स्वर्ग कह लाने वाले कश्मीर में स्थित प्राकृतिक भव्य एवं चमत्कारिक गुफा में प्रत्येक वर्ष हिमशिवलिंग के दर्शन करने से सुखद अनुभव होता है। भारत के तीर्थ स्थानों में श्री अमरनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस पवित्र गुफा के दर्शन हेतु यात्रा जुलाई में शुरु होकर अगस्त में रक्षाबंधन तक चलती है। अमरनाथ यात्रा को कुछ लोग मोक्ष प्राप्ति का, तब कुछ स्वर्ग की प्राप्ति का जरिया बताते हैं। इस पवित्र धाम की यात्रा से 23 तीर्थों का पुण्य प्राप्त होता है। गुफा के एक छोर में प्राकृतिक रूप से बना हिम शिवलिंग पक्की बर्फ का होता है जबकि गुफा के बाहर मीलों तक कच्ची बर्फ ही देखने को मिलती है। गुफा में पक्की बर्फ से गणेश पीठ तथा पार्वती पीठ भी बनती हैं। भारत भूमि का कण-कण तीर्थ है। कश्मीर को तीर्थों का घर कहा जाता है। कश्मीर में 49 शिवधाम, 60 विष्णुधाम, 3 ब्रह्माधाम, 22 शक्तिधाम, 700 नागधाम हैं। अमरनाथ में स्थित पार्वती पीठ 51 शक्तिपीठों में से एक है। काशी में लिंग दर्शन एवं पूजन से दस गुणा फल देने वाला श्री अमरनाथ का पूजन है। एक दंत कथानुसार रक्षाबंधन की पूर्णिमा के दिन जो सामान्यतः अगस्त में पड़ती है भगवान शंकर स्वयं श्री अमरनाथ गुफा में पधारते हैं। रक्षा बंधन के दिन ही पवित्र छड़ी मुबारक गुफा में बने हिमशिवलिंग के पास स्थापित की जाती है। अमरनाथ यात्रा का प्रचलन ईसा से भी एक हजार वर्ष पूर्व का है। अमरनाथ गुफा में भगवान शंकर ने माता पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। मां पार्वती ने अमरत्व प्राप्त करने के लिए भगवान शंकर से अमर कथा सुनाने का हठ किया था। प्राचीन कथानुसार पावन गुफा की खोज बूटा मलिक नाम के मुसलमान गडरिए ने की थी। एक दिन वह भेड़ें चराते दूर निकल गया जहां उसकी एक साधु से भेंट हुई। साधु ने बूटा मलिक को एक कोयले से भरी कांगड़ी दी। घर जाकर जब मलिक ने देखा तब उस कागड़ी में सोना था जिसे देखकर वह हैरान हो गया। उस साधु का धन्यवाद करने वह वापस उस स्थान पर गया परंतु साधु मिला नहीं। तब वहां एक विशाल गुफा देखी। उसी दिन से यह गुफा एक तीर्थ स्थान बन गई। माता पार्वती ने अमरकथा इसी गुफा में सुनी थी। सत्य है कि हिमनिर्मित शिवलिंग कभी पूर्णतया लुप्त नहीं होता। आकार छोटा या बड़ा हो सकता है। कहा जाता है कि भगवान शिव इस गुफा में पहले-पहल श्रावण की पूर्णिमा को आए थे इसलिए इस दिन अमरनाथ की यात्रा का विशेष महत्व माना जाता है।

आतंकवाद पर प्रहारः जम्मू कश्मीर के 32 ठिकानों पर एनआईए के छापे

जम्मू।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) गुरुवार को शोपियां जिले सहित दक्षिण कश्मीर में 32 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। आतंकवाद से संबंधित मामलों में छापेमारी की गई है। इसके अंतर्गत शोपियां जिले के रेबन में बिलाल अहमद डार के घर पर, नीलदूरा शोपियां में जहांगीर अहमद भट के घर पर और चाकू शोपियां में बिलाल अहमद भट के घर पर छापेमारी की गई है। विशेष रूप से, पहलगाम आतंकी हमले की भी एनआईए द्वारा जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि शोपियां के अलावा पुलवामा, कुलगाम, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में छापेमारी की गई है। लश्कर, जैश, हिजबुल और टीआरएफ के ओवर ग्राउंड वर्करों के ठिकानों पर यह छापेमारी चल रही है। एनआईए सूत्रों के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले से भी इन आवर ग्राउंड वर्कर जिनके यहां छापेमारी चल रही है। उनके तार सभी आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं।पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़े पैमाने पर जम्मू कश्मीर पुलिस और स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने ओवर ग्राउंड वर्कों के खिलाफ कार्रवाई की थी 100 से ज्यादा

संयुक्त लोगों को हिरासत में लिया था। नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने इन लोगों से भी पूछताछ के आधार पर यह छापेमारी की है।

ग्रेटा 11 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के साथ चिकित्सा व खाद्य सामग्री लेकर गाजा रवाना

नई दिल्ली।

आटा, पानी, दूध, दवाइयां, बच्चों के डायपर और सैनिटरी पैड लेकर पानी का एक जहाज तेजी से गाजा की ओर बढ़ रहा है। वजह है भूख से बिलखते और दम तोड़ते लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाना। इसका मकसद है, गाजा में इजराइल की नाकेबंदी को तोड़ना, लेकिन अब इस पर विवाद हो गया है। इस विवाद के केंद्र में है- ग्रेटा थनबर्ग। गाजा पहुंच रहे इस जहाज का नाम द मडलीन है, जो मानवाधिकार संगठन एफएफसी से जुड़ा है। इस जहाज का नाम मडलीन गाजा की पहली और इकलौती फिशरवुमेन के नाम पर रखा गया है। यह जहाज एक जून को इटली के सिसली के बंदरगाह से रवाना हुआ था और यह 2000 किलोमीटर की दूरी तय कर 7 जून तक गाजा पहुंचेगा। बशर्ते कि इजराइल की नौसेना रोड़ा ना बने। इस जहाज में स्वीडन की 22 साल की जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत कई मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं, लेकिन इजरायल इसे लेकर अलर्ट हो गया है। इस जहाज में चिकित्सा सुविधाएं, खाद्य सामग्री और अन्य सामान है। इस जहाज में ग्रेटा थनबर्ग के साथ-साथ 11 अन्य कार्यकर्ता भी हैं, जिनमें फ्रांस की सांसद रीमा हसन, जर्मनी की यासमीन जार, फ्रांस के बैप्टिस्टे आंद्रे, ब्राजील के थियागो अविला, फ्रांस के उमर फईद, पैस्कल और यानीस महादी, तुर्किए के सूयाब ओर्दू, स्पेन के सर्गियो टॉर्बियो, नीदरलैंड्स के मार्को वैन रेन्स और फ्रांस की रेवा वियार्ड शामिल हैं। ग्रेटा थनबर्ग की इस गाजा यात्रा पर इजराइल की सेना ने आपत्ति जताई है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि हम इस पर नजर रखे हुए हैं। हम इस मामले में भी स्थिति के अनुसार ही कार्रवाई करेंगे। इससे संकेत मिल रहे हैं कि इजराइल इस बार भी जहाज को गाजा तट नहीं पहुंचने देना चाहता है अगर ऐसा हुआ तो यह मानवता के खिलाफ होगा क्योंकि गाजा में लोग भूखमरी का शिकार हो रहे हैं और इजराइल का दुनिया में विरोध भी हो सकता है।ये एफसीसी का कोई पहला जहाज नहीं है, बल्कि इससे पहले भी इस संगठन ने एक महीने पहले एक जहाज को गाजा के लिए रवाना किया था लेकिन दो मई को इजराइल के ड्रोन अटैक में इसे नष्ट कर दिया था। थनबर्ग ने कहा कि हमें यह कर रहे हैं क्योंकि हमें गलत के खिलाफ खड़ा होना चहिए। हमें कोशिश करनी चाहिए

पाकिस्तान के कलाकारों के बिना पंजाब में फिल्में नहीं चलतीं

पाक कॉमेडियन इफ्तिखार ने किया दावा

जालंधर।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और भारत के पंजाबी कलाकारों के बीच चल रहे घमासान में एक बार फिर पाकिस्तानी कॉमेडियन इफ्तिखार ठाकुर ने विवादित बयान दिया है। इफ्तिखार ने दावा कि पाकिस्तान के कलाकारों के बिना पंजाब में फिल्में नहीं चलती। ये बयान उन्होंने एक टीवी शो के दौरान दिया।

बता दें इससे पहले पाकिस्तानी कॉमेडियन इफ्तिखार ठाकुर ने पंजाब के सीएम भगवंत मान पर व्यक्तिगत टिप्पणी की थी और कहा था कि मान को सीएम इसलिए बनाया है। क्योंकि वह उनको सस्ते पड़ते हैं, जिसके बाद पंजाब के कई कलाकारों ने ठाकुर की निंदा की और उन्हें पंजाबी इंडस्ट्री में काम न देने की बात कही थी।

इफ्तिखार ठाकुर कहा कि भारतीय पंजाब में मेरी करीब 16 फिल्में साइन हैं, जो मुझे करनी थी। हमें कहा गया कि हम आपके साथ बायकॉट करेंगे। इस पर मैंने जवाब दिया कि आपका मुंह नहीं है बायकॉट करने का, बायकॉट तो हम करते हैं। पंजाब की फिल्में हमारे बिना नहीं चलती। पाकिस्तानी कलाकारों के बिना भारतीय फिल्में हिट नहीं हुई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तानी कलाकारों के बिना 9 फिल्में बनाई गईं, मगर एक भी नहीं चली। पंजाबी इंडस्ट्री की 300 से 350 करोड़ रुपए की इन्वेस्टमेंट हमारे कलाकारों पर हैं।

ठाकुर ने कहा कि भारत हमारे बिना फिल्म नहीं बना सकता, तो वह जंग क्या खाक जीत पाएंगे। आखिरी में ठाकुर ने शायरी सुनाते हुए कहा- जो खेल के मैदान में नहीं आते, वह जंग के मैदान में भी नहीं आ सके। पहलगाम हमले के बाद पंजाबी फिल्मों के एक्टर और कॉमेडियन बीन्नू ढिल्लो ने इफ्तिखार ठाकुर के बयान का जवाब दिया था। बीन्नू ने कहा था कि वह पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम नहीं करेंगे। ढिल्लों ने यह भी कहा था कि इफ्तिखार ठाकुर को अब पंजाब भी नहीं आने दिया जाएगा।

पाकिस्तान पर मेहरबान हुए ट्रंप को पाक पीएम शहबाज बता रहे शांति का मसीहा

नई दिल्ली।

आतंक की फैक्ट्री चलाने वाला पाकिस्तान दुनिया के कई देशों में दहशत और आतंक फैलाता है। इसके बाद भी शांति जैसे शब्दों का इस्तेमाल करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने शांति का मसीहा कहा है।

ट्रंप जब पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे, तो भारत को लेकर उनकी नीतियां काफी अलग थीं। अमेरिका में भारतीय समुदाय के साथ वे घुले-मिले हुए दिखते थे, जबकि पीएम मोदी के साथ भी उनका 'दोस्ताना' चर्चा में रहता था। इस बार जब उन्होंने साल 2024 में सत्ता संभाली तो उनका ये याराना पड़ोसी देश के साथ ज्यादा दिख रहा है। वे शहबाज की यारी में ये भी भूल गए हैं कि वे उसी पाकिस्तान के पीएम हैं, जहां 9/11 हमले का मास्टरमाइंड सालों तक मज़े काटता रहा था। डोनाल्ड ट्रंप इस बार जब से सत्ता में आए हैं, तब से उनकी पॉलिसी ने पूरी दुनिया को हैरान-परेशान कर रखा है। खासतौर पर भारत को दोस्त बताने वाले ट्रंप उसके सबसे बड़े दुश्मन पाकिस्तान को जिस तरह से संरक्षण दे रहे हैं, वो उनकी डबल स्टैंडर्ड वाली नीति को दिखाता है। आतंकवाद को लेकर ज़ीरो टॉलरेंस की बातें करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को पाकिस्तान में बैठे आतंकी मानो साधु-संत लग रहे हैं, तभी तो वे आतंकियों को पोसने वाले पाकिस्तान को हर मंच पर पीड़ित घोषित करने में जुटे रहते हैं। पहलगाम में घुसकर आतंकवादियों ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया, उससे डोनाल्ड ट्रंप भी अनजान नहीं होंगे। धार्मिक आतंकवाद की भेंट चढ़े मासूम लोगों की हत्या ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। अमेरिका ने भी उस वक्त आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस वाले राग को दोहराया था, लेकिन जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई की तो ट्रंप भारत के पक्ष में एक बार भी नहीं बोले। वे आए भी तो सीज़फायर की झूठी कहानी और पाकिस्तान से सौदे का शिगूफा लेकर। भारत ने जब आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया, तो ट्रंप को ऐबटाबाद में हुआ अलकायदा चीफ ओसामा बिन लादेन को मारने का ऑपरेशन याद नहीं आया। न ही उन्हें अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की निर्मम हत्या ही याद रही, जिसके अपराधी को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में मार गिराया। ऐसा पहली बार नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ऐसी दोहरी नीति अपना रहे हों। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर पहले भी ऐसा किया है। जहां एक तरफ वे अमेरिका की सुरक्षा और किसी भी हाल में आतंकवाद को खत्म करने की कस्में खाते हैं, वहीं दूसरी तरफ वे पाकिस्तान जैसे देश के साथ व्यापारिक रिश्ते रखना चाहते हैं।

बीएसएफ के जवान को बॉर्डर से घसीटकर ले गए बांग्लादेशी बदमाश

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बांग्लादेशी नागरिकों ने बीएसएफ के एक जवान को कथित तौर पर अगवा कर लिया गया। 71वीं बटालियन के श्रीगणेश को बांग्लादेशी सीमा पर तैनात थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुरुआत में आरोप लगाए गए थे कि जवान घुसपैठियों का पीछा करते हुए बांग्लादेश की सीमा पार चले गए थे, लेकिन बाद में हुई बीएसएफ जांच में साफ हुआ है कि वह भारतीय क्षेत्र में ही थे और उन्हें जबरन घसीटकर बांग्लादेश ले जाया गया। इसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा पार ले जाया गया। हालांकि, कुछ घंटे बाद जवान को छोड़ दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के नूरपुर के सुतियार में सीमा सुरक्षा बल शिविर के नजदीक चांदनी चौक के निकट तड़के हुई। एक बीएसफ अधिकारी के हवाले से बताया जा रहा है कि जवान ने मानवीयता अपनाई और बांग्लादेशियों को बातचीत ले लिए पास आने दिया, लेकिन वे अपराधी निकले और जवान को अगवा कर लिया। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, जवान कथलिया गांव के पास बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ की कोशिश को रोकने का प्रयास कर रहा था, तभी उसे बांग्लादेश के चपई नवाबगंज जिले के असामाजिक तत्वों ने पकड़ लिया। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी ने बताया, जवान को बांग्लादेशी नागरिकों ने अगवा कर लिया था और बंदी बनाकर रखा था, लेकिन जब हमने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के समक्ष इस मुद्दे को उठाया तो कुछ घंटों के भीतर ही उसे रिहा कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और लैंडस्लाइड से हाहाकार, मध्यप्रदेश में 10 जून तक मानसून का प्रवेश

ओडिशा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में हीट वेव का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। असम में बुधवार को बाढ़ में दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही 24 मई को मानसून आने के बाद से राज्य में अब तक 19 लोगों की मौत हुई है। 21 जिलों में 6.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अरुणाचल प्रदेश में अब तक 12 लोगों की जान गई है, जबकि दो लोग लापता हैं। पिछले 11 दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों में कुल 49 लोगों की जान जा चुकी है। इसमें असम में 19, अरुणाचल प्रदेश में 12, मेघालय और मिजोरम में 6-6, सिक्किम में 3, त्रिपुरा में 2 और नगालैंड में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इधर, मानसून अब भी महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर ही रुका है। यह 10 जून तक मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगा। हालांकि राज्य में बारिश का दौर शुरू हो गया है। राज्य में 6 जून तक बूंदाबांदी जारी रहने के आसार हैं।

दिल्ली के जनकपुरी में दो बसों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पंखा रोड पर खड़ी दो बसों में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। हादसे के समय बसें खाली थीं, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों की सतर्कता और दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पाया गया और एक बड़ा नुकसान होने से टल गया।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहीं दो बांग्लादेशी महिलाओं को 5 महीने की जेल

मुंबई। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में दोषी करार देते हुए 5 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही, दोनों पर 20,000 का जुर्माना भी लगाया गया है। जानकारी अनुसार आरोपियों की पहचान चांदनी माजी (24) और तसलीमा मोदाल (41) के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें 2 जनवरी 2025 को मुंबई के घाटकोपर इलाके से गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि वे चोरी-छिपे भारत में दाखिल हुई थीं और फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए खुद को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत कर रही थीं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर विस्तृत चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। सबूतों के आधार पर कोर्ट ने दोनों महिलाओं को अवैध प्रवास और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मामलों में दोषी पाया और सजा सुनाई।

आईपीएल मैच के जश्न में भीड़ से हुई भगदड़ में सोनू सूद ने जताया दुख

अभिनेता सोनू सूद बोले- कोई भी जश्न जीवन के बराबर नहीं

बंगलुरु। अभिनेता सोनू सूद ने शुक्रवार को बेंगलुरु में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के जश्न के दौरान हुई भीड़-भाड़ से दुःख जताया। सोशल मीडिया पर अपनी दुखभरी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन से बड़ा कोई भी उत्सव नहीं होता। इस घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए हैं। जैसे ही यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना सभी की ध्यान में आई, सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा और अन्य कई सितारे ने अपने दुख को व्यक्त किया। आरसीबी टीम का आधिकारिक बयान में इस हादसे के लिए दुःखी जताते हुए सुरक्षा की महत्वता पर जोर दिया गया। जांच के लिए आदेश भी जारी किया गया है, जिसके तहत विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इस दुर्घटना से प्रभावित परिवारों और लोगों के लिए सभी प्रार्थना कर रहे हैं। ऐसे भीषण घटनाओं से सीख लेकर समुदाय को सुरक्षित रखना आवश्यक है ताकि ऐसी घटनाएं फिर से न हों।

संक्षिप्त समाचार

संरा सुरक्षा परिषद में गाजा में संघर्षविराम के प्रस्ताव पर मतदान होगा

वाशिंगटनख, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को उस प्रस्ताव पर मतदान होना है जिसमें गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई हैजिसका सभी पक्षों द्वारा सम्मान किया जाए। अमेरिका के इस प्रस्ताव पर वीटो करने की करने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा तैयार प्रस्ताव में सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद दक्षिणी इजराइल से हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की मांग दोहराई गई है। गाजा में मानवीय स्थिति को विनाशकारी बताते हुए प्रस्ताव में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश पर लगे सभी प्रतिबंधों को तत्काल और बिना शर्त हटाने तथा संयुक्त राष्ट्र और मानवीय साझेदारों के साथ राहत सामग्री को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से वितरित करने की भी मांग की गई है। इस प्रस्ताव पर बुधवार दोपहर को मतदान होना है और यह ऐसे वक्त लाया गया है जब इजराइल और अमेरिका समर्थित सहायता वितरण स्थल बनाए जाने के बाद करीब–करीब रोज गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न सदस्य देशों के राजयनिकों ने मंगलवार को नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका इस प्रस्ताव पर वीटो कर देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने कहा कि इस समय मसौदा प्रस्ताव पर वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता है। इजराइल के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने मसौदे पर टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

बशर असद की सरकार गिरने के बाद पहली बार सीरिया से रॉकेट दागे गए : इजराइल

येरुशलमख, एजेंसी। इजराइली सेना ने कहा कि सीरिया से मंगलवार को दो रॉकेट दागे गए जो इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स के खुले क्षेत्रों में गिरे। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल–असद की सरकार दिसंबर में गिरने बाद पहली बार सीरियाई क्षेत्र से इजराइल की ओर हमला किया गया है। सीरियाई सरकारी मीडिया ने बताया कि रॉकेट दागे जाने के बाद इजराइल ने सीरिया के दारा प्रांत के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों पर बमबारी की। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने भी इजराइली हवाई हमलों की सूचना दी है, जिसके कारण कुनीत्रा शहर और दारा के ग्रामीण इलाकों में विस्फोट हुए। पिछले साल गाजा में इजराइल के हमले में मारे गए हमास के सैन्य नेता मोहम्मद जैफ के नाम पर रखे गए 'मोहम्मद जैफ ब्रिगेड' नामक समूह ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर पहली बार सामने आया था। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने एक बयान में कहा कि उनका देश इजराइल के प्रति हर खतरे और गोलाबारी के लिए सीरियाई राष्ट्रपति को सीधे तौर पर जिम्मेदार मानता है और उन्होंने इसका उचित जवाब देने की चेतावनी दी है। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सरकारी टीवी चैनल पर दिए गए एक बयान में कहा कि उसने अब तक सीरिया से इजराइल पर किए गए हमलों की रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं की है।

उ.कोरिया से बातचीत जारी रखेंगे, अमेरिका–जापान साझेदारी मजबूत करेंगे : द कोरियाई राष्ट्रपति

सियोलख, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे–म्यांग ने बुधवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ बातचीत जारी रखने की कोशिश करेंगे। साथ ही अमेरिका और जापान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करेंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दक्षिण कोरिया–अमेरिका सैन्य गठबंधन के आधार पर एक मजबूत प्रतिरोध के साथ उत्तर कोरिया के संभावित आक्रमणों से निपटेगी। लेकिन वह उत्तर कोरिया के साथ बातचीत के लिए भी दरवाजा खुला रखेंगे और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि वह व्यावहारिक कूटनीति अपनाएंगे और दक्षिण कोरिया–अमेरिका गठबंधन के आधार पर त्रिपक्षीय सियोल–वाशिंगटन–तोक्यो सहयोग को बढ़ावा देंगे। ली ने मंगलवार को हुआ मध्यावधि चुनाव जीता है और उनका कार्यकाल पांच साल का होगा।

चीन ने ताइवान के पास सैन्य गतिविधियां बढ़ाई, लड़ाकू विमान और युद्धपोत भेजे

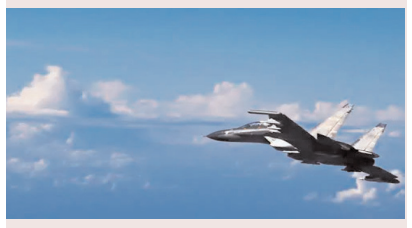

बीजिंगख, एजेंसी। चीन ने एक बार फिर ताइवान के चारों ओर अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। बुधवार सुबह तक ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 2 लड़ाकू विमान और 12 नौसैनिक जहाज ताइवान के पास देखे गए। दोनों विमान ताइवान की हवाई सीमा में घुसे और उत्तरी व पूर्वी इलाकों में मीडियन लाइन को पार किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पूरी स्थिति पर नजर रखी और जवाब भी दिया। एक दिन पहले यानी मंगलवार को भी 3 चीनी विमान, 10 नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आस–पास देखे गए थे। उनमें से एक विमान ताइवान की हवाई सीमा में घुसा था। पिछले महीने चीन ने दो एयरक्राफ्ट कैरियर और कई युद्धपोत ताइवान के उत्तर और दक्षिण की ओर भेजे थे। 1 से 27 मई के बीच करीब 70 चीनी जहाजों की गतिविधियां येलो सी से साउथ चाइना सी तक देखी गईं।

अमेरिका में कृषि आतंकवाद फैलाना चाहता था चीन? खतरनाक बायो हथियार के साथ पकड़ी गई चीनी महिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय जांच एजेंसी एफबीआई ने एक चीनी नागरिक को अमेरिका में एक खतरनाक जैविक रोगजनक की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार की गई चीनी नागरिक का नाम युनकिंग जियान है। जियान पर आरोप है कि वह एक खतरनाक जैविक रोगजनक (बायोलॉजिकल पैथोजन) को अमेरिका में तस्करी कर लाई थी। खुद एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने मंगलवार को इस मामले की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। पटेल ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिला युनकिंग जियान यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में काम कर रही थी। उस पर आरोप है कि उसने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के प्रति वफादारी जताई है और उसे चीन सरकार से इसी फंगस पर काम करने के लिए फंडिंग भी मिली थी। चीनी महिला पर जिस पैथोजन की तस्करी का आरोप है उसे विज्ञान की दुनिया में संभावित कृषि आतंकवाद हथियार के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कौन-सी फंगस तस्करी की गई? पटेल के मुताबिक, जियान ने फ्यूजेरियम ग्रैमिनेरम नाम की खतरनाक फंगस को अमेरिका में लाकर रिसर्च के लिए इस्तेमाल किया। यह फंगस एक एग्रो-टेररिज्म एजेंट मानी जाती है जो गेहूं, जौ, मक्का और धान जैसी प्रमुख फसलों में हेड ब्लाइट नामक रोग फैलाती है। यह न केवल फसलों को भारी नुकसान पहुंचाती है, बल्कि इंसानों और जानवरों की सेहत के लिए भी

खतरनाक मानी जाती है। पटेल ने लिखा, यह फंगस हर साल दुनियाभर में अरबों डॉलर की आर्थिक क्षति पहुंचाने के लिए जिम्मेदार है।

बॉयफ्रेंड भी आरोपी, चीन से लाई गई फंगस : जांच एजेंसियों ने इस मामले में जियान के प्रेमी जुनयोंग लियू को भी आरोपी बनाया है, जो चीन की एक यूनिवर्सिटी में कार्यरत है। आरोप है कि उसने पहले झूठ बोला लेकिन बाद में कबूल किया कि वह भी यही फंगस डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन एयरपोर्ट के जरिए अमेरिका लाया था, ताकि यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में रिसर्च कर सके।

कई संगीन आरोप, संयुक्त जांच में खुलासा : जियान और लियू दोनों पर षड्यंत्र, अमेरिका में अवैध वस्तुएं तस्करी करने, झूठे बयान देने और वीजा धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस पूरे मामले की जांच एफबीआई और यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने मिलकर की। कश पटेल ने कहा, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) लगातार ऐसे एजेंट और रिसर्चर अमेरिका की संस्थाओं में भेज रही है, जिनका मकसद हमारे खाद्य आपूर्ति तंत्र को निशाना बनाना है। यह अमेरिका के नागरिकों और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। यह मामला ऐसे वक्त पर सामने आया है जब अमेरिका और चीन के बीच संबंधों में लगातार तनाव बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन हाल ही में चीनी छात्रों के वीजा पर सख्ती बरतने की घोषणा कर चुका है।

एफबीआई निदेशक काश पटेल की चेतावनी : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने फॉक्स न्यूज डिजिटल को दिए बयान में इस मामले को अमेरिका की खाद्य आपूर्ति के लिए गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे के रूप में बताया। उन्होंने कहा, यह मामला एक गंभीर चेतावनी है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) लगातार अपने जासूसों और शोधकर्ताओं को हमारी संस्थाओं में घुसपैठ करने और हमारी खाद्य आपूर्ति को निशाना बनाने के लिए तैनात कर रही है, जो हमारी अर्थव्यवस्था को पंगु बना सकता है और अमेरिकी लोगों की जान को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने आगे कहा, ज्ञात कृषि आतंकवाद एजेंट को अमेरिका में तस्करी करना केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। मैं एफबीआई डेट्रॉयट डिवीजन और हमारे सहयोगी सीबीपी (कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन) को इस जैविक खतरे को वास्तविक नुकसान पहुंचाने से पहले रोकने के लिए बधाई देता हूं।

यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने चीनी छात्रों के वीजा को आक्रामक रूप से रद्द करने की घोषणा की है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हैं या महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे हैं। यह घटना विदेशी नागरिकों द्वारा अमेरिका में शोध करने से संबंधित चल रही राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा देती है।

कोलोराडो हमले के आरोपी सोलीमन का परिवार हिरासत में, आव्रजन अधिकारियों ने दी निर्वासन की धमकी

वॉशिंगटनख, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो के पर्ल स्ट्रीट मॉल में हमला करने वाले संदिग्ध मोहम्मद साबिर सोलीमन के परिवार पर कार्रवाई की जा रही है। आव्रजन अधिकारियों ने आरोपी सोलीमन की पत्नी और पांच बच्चों को हिरासत में लिया है। साथ ही उन्हें निर्वासित करने की धमकी दी। व्हाइट हाउस ने एक्स पर लिखा कि 45 वर्षीय मोहम्मद सबरी सोलीमन के परिवार को मंगलवार रात तक निर्वासित किया जा सकता है। ऐसा बेहद कम होता है जब किसी आरोपी के परिवार को हिरासत में लेकर निर्वासन की धमकी दी जाती है। अमेरिका के कोलोराडो में बोल्डर के पर्ल स्ट्रीट मॉल के बाहर इस्राइल समर्थक लोग गाजा में बंधक लोगों के लिए रैली निकाल रहे थे तो उन पर हमला किया गया था। हमले को एफबीआई ने आतंकी घटना मानते हुए मिस्र के नागरिक मोहम्मद साबरी सोलीमन को हिरासत में लिया था। आरोपी ने हमले के बाद फलस्तीन की आजादी के नारे भी लगाए गए थे। वह एक साल से हमला करने की योजना बना रहा था। वह सभी यहूदी विरोधियों को मारना चाहता था। लेकिन उसने अपनी बेटी के हाईस्कूल के लिए हमले का प्लान टाल दिया था। हमले में छह लोग घायल हो गए थे। अफसरों ने बताया कि संदिग्ध सोलीमन प्रदर्शन कर रहे समूह के करीब माली बनकर पहुंचा था। उसने समूह के जितना संभव हो सके उतना करीब पहुंचने के लिए नारंगी बनियान के साथ माली जैसी पोशाक पहन रखी थी। उसकी कार से कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 16 अप्रयुक्त मोलोटोव कॉकटेल बरामद किए हैं। ये कांच की वाइन की बोतलों या जार से बने थे, जिनमें साफ तरल पदार्थ और लाल कपड़े लटक रहे थे। सोलीमन ने पूछताछ में बताया कि उसके पास कुद 18 मोलोटोव कॉकटेल थे। उसने केवल दो को ही प्रदर्शनकारियों पर फेंका। उसके पास एक बैकपैक स्प्रेयर में गैस थी, लेकिन इसे किसी पर नहीं बल्कि खुद पर छिड़का क्योंकि उसने मरने की योजना बनाई थी। पूछताछ में सोलीमन ने अधिकारियों को बताया कि उसके परिवार सहित किसी को भी उसके हमले की योजना के बारे में पता नहीं था। उसने कोलोराडो स्प्रिंग्स स्थित अपने घर में डेस्क की दराज में आईफोन छिपाकर रखा था। इसमें परिवार के लिए संदेश थे। गिरफ्तारी के बाद उसकी पत्नी ने उसका फोन पुलिस को सौंप दिया।

कनाडा के टोरंटो शहर में भीषण गोलीबारी, एक शख्स की मौत, पांच लोग गंभीर रूप से घायल

टोरंटोख, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में सामूहिक गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी नॉर्थ यॉर्क के लॉरेंस हाइट्स इलाके में हुई। टोरंटो पुलिस ने पुष्टि की है कि कम से कम पांच लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ और स्थानीय पार्षद डिप्टी मेयर माइक कोल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, लॉरेंस हाइट्स इलाके में आज शाम हुई गोलीबारी की खबर से व्यथित हूं। मेरा कार्यालय टोरंटो पुलिस के संपर्क में है, जो अभी घटनास्थल पर हैं और पुलिस हमले की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कनाडा के टोरंटो में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। आपातकालीन दल ने मंगलवार को रात करीब 8ः30 बजे शहर के उत्तरी हिस्से में लॉरेंस हाइट्स इलाके में इसकी सूचना दी है। टोरंटो पुलिस संचालन केंद्र के अनुसार, यह घटना फ्लेमिंगटन रोड और ज़ैचरी कोर्ट के पास हुई है। टोरंटो पुलिस ने शुरू में बताया था कि चार लोगों को गोली लगी थी, लेकिन बाद में पैरामेडिक्स की ओर से अपडेट, जिसका हवाला सीपी24 ने दिया।

ईरानी पुलिस ने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया

तेहरान एजेंसी। ईरानी पुलिस ने पिछले महीने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले महीने ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ये स्थानीय ट्रैवल कंपनी की ओर से आकर्षक नौकरी का वादा किए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तीनों व्यक्तियों की पहचान जसपाल सिंह, हुसनप्रीत सिंह और अमृतपाल सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब के रहने वाले हैं और पहली मई को तेहरान पहुंचने के तुरंत बाद लापता हो गए थे।

दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुष्टि की कि तेहरान पुलिस ने लापता व्यक्तियों को मुक्त कर दिया है। ईरानी दूतावास ने पोस्ट किया, तेहरान पुलिस ने तीन लापता भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया है। ईरान में स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढ़कर रिहा करा लिया है। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, ये लोग एक स्थानीय ट्रैवल कंपनी द्वारा आकर्षक नौकरी का वादा किये जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे।

तस्नीम समाचार आउटलेट के मुताबिक, तीनों को दक्षिणी तेहरान स्थित वरामिन में बंधक बनाने वालों के खिलाफ पुलिस अभियान के बाद बचाया गया। लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों द्वारा अपने रिश्तेदारों के अचानक लापता होने पर गंभीर चिंता व्यक्त करने के बाद भारतीय दूतावास ने 28 मई को एक बयान जारी किया था।

बयान में कहा गया है, तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को

सूचित किया है कि उनके रिश्तेदार ईरान की यात्रा के बाद लापता हो गए हैं। दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया है और अनुरोध किया है कि लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हम दूतावास द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में परिवार के सदस्यों को नियमित रूप से जानकारी दे रहे हैं। रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि परिवारों को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की गई थी, तथा धमकी भरे कॉल पाकिस्तानी फोन नंबरों से आए थे। इसने गंभीर चिंता पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की ओर से कूटनीतिक बातचीत तेज हुई। भारत में ईरानी दूतावास ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के विदेश मंत्रालय का काउंसलर मामलों का विभाग इस मामले पर करीब से नजर रख रहा है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों को चेतावनी भी जारी की, जिसमें उन्हें सलाह दी गई कि अन्य देशों की यात्रा की पेशकश करने वाले अनधिकृत व्यक्तियों या अवैध भारतीय एजेंसियों के वादों से धोखा न खाएं। भारत ने पहले भी ईरान की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया था, जिसमें उनसे सावधानी बरतने, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावासों के साथ संपर्क में रहने तथा असत्यापित ट्रैवल एजेंटों या बिचौलियों से बचने का आग्रह किया गया था।

मस्क ने ट्रम्प के फंडिंग बिल को शर्मनाक बताया

वॉशिंगटन डीसीख, एजेंसी। टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए फंडिंग बिल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे घिनौना और शर्मनाक बताया है। मस्क ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं अब और सहन नहीं कर सकता। यह बिल बहुत बड़ा, बेतुका और फिजूल खर्चों से भरा है। जिन लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया, उन्हें शर्म आनी चाहिए। मस्क ने कहा कि इस बिल से अमेरिका का बजट घाटा 2.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस (संसद) देश को दिवालिया बना रही है। एक दूसरे पोस्ट में मस्क ने कहा कि अगले साल नवंबर में हम उन सभी राजनेताओं को हटाएंगे, जिन्होंने जनता को धोखा दिया है। इस बिल का नाम वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट है। यह ट्रम्प के 2017 के टैक्स कट्स को आगे बढ़ाता है। इसके अलावा सेना और बॉर्डर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाता है। इसके बदले गरीबों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, फूड सपोर्ट और अन्य योजनाओं में कटौती की जा रही है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, यह बिल अगले 10 साल में अमेरिका के कर्ज में करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा करेगा। अभी अमेरिका पर कुल

36.2 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। बिग ब्यूटीफुल बिल के 5 पॉइंट्स, जिससे मस्क नाराज इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में 2017 में की गई कटौती को स्थायी बनाना, टैक्स कटौती को बढ़ाने का भी प्रस्ताव। ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर टैक्स कटौती का प्रस्ताव। व्हाइट हाउस का कहना है कि सालाना 30 से 80 हजार डॉलर की कमाई वालों को अगले साल 15प्रतिशत कम टैक्स देना होगा। अवैध इमिग्रेशन रोकने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना को मजबूत करने पर ज्यादा खर्च करना। सरकार में फिजूलखर्ची, धोखाधड़ी और दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े इंतजाम। डेब्ट सीलिंग यानी सरकार कितना कर्ज ले सकती है, उसकी सीमा बढ़ाना। ये सीमा समय-समय पर बढ़ानी पड़ती है ताकि सरकार अपने बिल और खर्चे चुका सके। ट्रम्प ने इस बिल की तारीफ करते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय है और बजट घाटा कम करता है। उन्होंने संकेत दिया कि वो और बड़े टैक्स कट्स चाहते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने कहा कि राष्ट्रपति को मस्क की राय पहले से पता है और वे बिल को सही मानते हैं। इलॉन मस्क ने 29 मई को ट्रम्प प्रशासन का साथ छोड़ दिया था।

इमरान बोले- आसिम मुनीर ने मेरी बीवी को जेल भेजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खान ने कहा कि जनरल मुनीर ने बदला लेने के लिए मेरी पत्नी बुशरा बीवी को जेल में बंद किया था। इमरान ने सोमवार को अपने ङ्ग पोस्ट में कहा- जब मैंने प्रधानमंत्री रहते हुए आसिम मुनीर को ढ्ढस्ढ्ढ चीफ के पद से हटाया, तो उन्होंने मेरी पत्नी बुशरा बीबी से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन बुशरा ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह ऐसे मामलों में नहीं पड़ती हैं। इसके बाद उन्हें एक के बाद एक झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। वह एक हाउस वाइफ हैं, उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पिछले चार हफ्तों से उनसे मिलने की इजाजत भी नहीं दी गई। खान ने बताया कि जेल नियमों के मुताबिक, उन्हें 1 जून को बुशरा से मिलना था, लेकिन कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए यह मुलाकात रद्द कर दी गई। खान पिछले 2 साल से रावलपिंडी की अडियाला जेल में कई मामलों में बंद हैं। खान ने 9 मई 2023 की घटनाओं को लंदन प्लान का हिस्सा बताया, जिसका मकसद उनकी पार्टी क्क्चढ्ढ को खत्म करना था। उन्होंने ने कहा- इसके तहत मुझे और मेरे नेताओं को गैरकानूनी तरीके से जेल में डाला गया। शरीफ व जरदारी जैसे भ्रष्ट लोगों को देश पर थोपा गया। खान ने पाकिस्तान की न्यायपालिका को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 9 मई 2023 और 26 नवंबर 2024 को प्रदर्शनकारियों पर हुए हमलों की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग बनाया जाए। उन्होंने पाकिस्तान की चीफ जस्टिस काजी फाइज ईसा की तुलना जस्टिस मुनीर से की। जस्टिस मुनीर अपने पक्षपाती फैसलों के लिए बदनाम थे। खान ने कहा- कोर्ट सबूतों के आधार पर फैसला देने की बजाय अपनी नौकरी बचाने में लगी है। पिछले हफ्ते, एक पाकिस्तानी अदालत ने 9 मई 2023 को इस्लामाबाद में हिंसक प्रदर्शन के लिए PTI के 11 समर्थकों, जिसमें एक सांसद भी शामिल है, को सजा सुनाई। उस दिन PTI कार्यकर्ताओं ने इमरान की गिरफ्तारी के विरोध में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया था। आसिम मुनीर इमरान खान की सरकार के वक्त पाकिस्तान की सीक्रेट एजेंसी ISI के हेड थे। 2018 तक मुनीर का आर्मी करियर शानदार चल रहा था। मार्च में उन्हें पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'हिलाल-ए-इम्तियाज' दिया गया था। 25 अक्टूबर 2018 को उन्हें ISI का डीजी बनाया गया, लेकिन 8 ही महीने बाद जून 2019 में उन्हें हटाकर उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को ISI का नया डीजी बना दिया गया और मुनीर को गुजरांवाला में ङ्गङ्गङ्ग कोर में बतौर कमांडर तैनात कर दिया गया। पहली बार कोई डीजी इतने कम समय में पद से हटाया गया था, इसकी वजह थी मुनीर का इमरान खान से झगड़ा। दरअसल, पाक आर्मी के जनरल कमर जावेद बाजवा, इमरान के करीबी थे। पाकिस्तान में आर्मी और ISI के ऑफिसर्स का भ्रष्टाचार का पुराना इतिहास है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि मुनीर ने इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के करप्शन के एक मामले को उजागर कर दिया था। इसलिए इमरान खान के कहने पर बाजवा ने मुनीर को ढ्ढस्ढ्ढ से बाहर का रास्ता दिखाया था।

कारखाने बंद, मजदूरों को वेतन नहीं... चीन में मचने लगा हाहाकार, ट्रंप के टैरिफ ने कर दी करारी चोट

बीजिंगख, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी ट्रेड वॉर भले ही थमता हुआ दिख रहा हो, लेकिन इसके असर से चीन की अर्थव्यवस्था अब भी उबर नहीं सकी है। मई 2025 में अमेरिकी टैरिफ का चीन की विनिर्माण गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई (क्क्व्ढ्ढ) गिरकर 48.3 पर पहुंच गया है, जो सितंबर 2022 के बाद से सबसे निचला स्तर है। यह संकेत है कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इस समय गहरे दबाव में है।

पीएमआई एक इंडिकेटर होता है जिससे किसी देश की विनिर्माण गतिविधियों की स्थिति का आंकलन किया जाता है। इसका स्तर अगर 50 से ऊपर होता है तो यह विस्तार (द्दह्ल्श2ह्लद्ध) दर्शाता है और 50 से नीचे जाने का मतलब होता है कि विनिर्माण गतिविधियों में संकुचन हो रहा है। मई में चीन का मैन्युफैक्चरिंग क्क्व्ढ्ढ गिरकर 48.3 पर आ गया, जबकि अप्रैल में यह 50.4 था। यह लगातार दूसरा महीना है जब चीन के विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई है। यह आंकड़ा रॉयटर्स के 50.6 के अनुमान से भी काफी नीचे रहा। यह इशारा करता है कि चीन की अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने की कोशिशें अभी कामयाब नहीं हो रही हैं।

हाल ही में वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका की तरफ से चीन के उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ अभी भी भारी दबाव बना रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भले ही स्विट्जरलैंड में हुई एक अहम बैठक के बाद 145प्रतिशत तक पहुंचे टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया हो, लेकिन इसका लाभ फिलहाल चीनी अर्थव्यवस्था को मिलता नहीं दिख रहा। पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल

इकोनॉमिक्स के अनुसार, इन रियायतों के बाद भी चीन से अमेरिकी आयात पर औसतन 51.1प्रतिशत टैरिफ अब भी लागू है, जबकि चीन द्वारा अमेरिकी आयात पर लगाई गई ड्यूटी औसतन 32.6प्रतिशत है। इसके बावजूद चीन की फैक्ट्रियां विदेशी मांग में गिरावट के चलते दबाव में हैं। कैक्सिन और एसएंडपी ग्लोबल द्वारा किए गए सर्वे में बताया गया कि चीन की फैक्ट्रियों को नए निर्यात ऑर्डर मिलने में भारी गिरावट आई है। जुलाई 2023 के बाद यह अब तक का सबसे निचला स्तर है। सर्वे में यह भी सामने आया कि घरेलू मांग भी कमजोर हुई है और इसके चलते फैक्ट्रियों के पास उत्पादों का स्टॉक जमा होता जा रहा है। मांग की कमी से उत्पादन घट रहा है और इससे रोजगार में भी गिरावट दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 के बाद मई में रोजगार में सबसे तेज गिरावट आई है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार लंबे समय से आर्थिक स्थिरता और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं और राहत पैकेज के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को पुनर्जीवित करने की कोशिश की, लेकिन फिलहाल नतीजे सकारात्मक नहीं दिख रहे हैं। चीन की सरकार उम्मीद कर रही थी कि अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में कुछ नरमी से स्थिति में सुधार होगा, लेकिन मई 2025 का डेटा दिखाता है कि टैरिफ का प्रभाव धीमा जरूर पड़ा है लेकिन खत्म नहीं हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन जीआईडीसी और भेस्तान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खुल्ले प्लॉटों में बने चिंदी और भंगार के गोदाम

सवाल यह है कि सचिन जीआईडीसी और पांडेसरा जीआईडीसी इलाकों में कुछ फैक्ट्रियों तक यह गोदाम में पड़े चिंदी वहां तक पहुंचते हैं

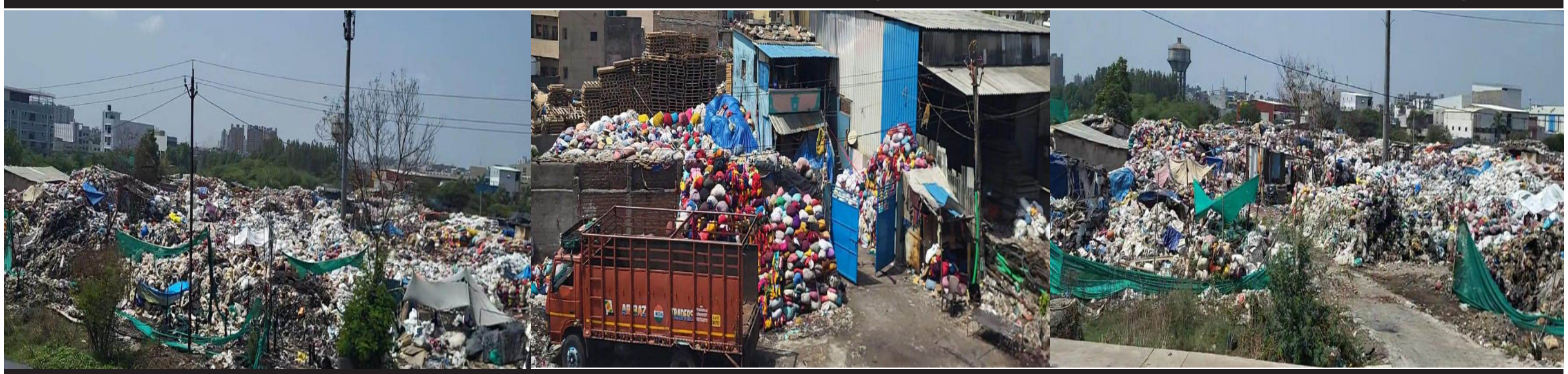

क्या इसके पीछे कोई अवैध नेटवर्क काम कर रहा है? गुमनाम परिवहन से लेकर अवैध गतिविधियों तक, कई मुद्दों पर प्रशासन चुप है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पलसाना-मगदल्ला हाईवे के पास उन पाटिया, घभेनी, रामेश्वर कॉलोनी और सचिन जीआईडीसी हाईवे सहित अन्य कई जगहों पर खुले प्लॉटों में चल रहे अवैध चिंदी के गोदाम खतरा बन गए हैं। चिंदी के गोदामों में आग लगने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, जो बड़े विस्फोटों या जनहानि को आमंत्रित करती हैं। जानकारी होने के बावजूद ऐसे गोदामों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती नहीं दिखती हैं। सूरत महानगरपालिका, GPCB, सचिन GIDC के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन जानकारी होने के बावजूद हाथ पर हाथ धरे बैठा है। स्थानीय नगरसेवकों, नेताओं और कुछ सरकारी कर्मचारियों के आशीर्वाद से ये अवैध गतिविधियां बड़ी बन गई हैं। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो न केवल संपत्ति का नुकसान होगा, बल्कि इस आग में निर्दोष लोगों की जान भी जा सकती है। क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है?

पहली घटना :- सचिन GIDC में कपड़े के गोदाम में लगी आग की घटना में 10 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और आग पर काबू पाने के लिए कार्रवाई शुरू की थी। 7 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका था। आग पर नियंत्रण पाने के लिए फायर विभाग द्वारा भारी मशक्कत के साथ कार्रवाई की जा रही थी। आसपास के लोगों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया था। लोग अपना सामान लेकर अन्य स्थानों पर जाने को मजबूर भी हो गए थे। भयंकर आग की वजह से असंख्य झोपड़ियाँ जलकर खाक हो गई थी।

दुसरी घटना :- होजीवाला क्षेत्र के रोड नंबर 17 पर स्थित द्रुपार्थ प्लास्टिक और प्लैटिनम इंटरनेशनल कपड़ा कंपनीट्रु में भीषण आग की घटना घटी थी। आग अधिक भयावह बनने के कारण पास की प्लास्टिक कंपनी में भी आग फैल गई। कपड़ा कंपनी में DGVCL के डीपी में ब्लास्ट से शॉर्ट सर्किट हुआ था, जिससे मशीनरी में आग लग गई थी, ऐसा सूत्रों से सामने आया था। पूरी घटना को लेकर फायर विभाग की टीम द्वारा आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया गया था। वहीं त्योहार के समय आग की घटना घटित होने के कारण सौभाग्यवश मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई थी। हालांकि, कंपनी में मौजूद माल और सामान को भारी नुकसान पहुंचा था।

वेस्ट कपड़े के गोदामों में बार-बार आग लगने की घटनाएँ होने के बावजूद भी प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई न किया जाना चिंता का विषय है।

ऐसे मामलों के लिए संभावित कारण निम्नलिखित हो सकते हैं:

1.वेस्ट कपड़े के गोदामों में बार-बार आग लगने की घटनाएँ होने के बावजूद भी प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई न किया जाना चिंता का विषय है। ऐसे मामलों के लिए संभावित कारण निम्नलिखित हो सकते हैं:

2. सावधानीपूर्ण उपायों की कमी: ऐसे गोदामों में जरूरी फायर सेफ्टी मानकों (जैसे फायर एक्सटिंग्विशर, रास्तों को खाली रखना, फायर अलार्म आदि) को अपनाया नहीं जाता।

3. अधिकारियों की अनदेखी: कई बार स्थानीय प्रशासन या फायर विभाग द्वारा पहले नोटिस देने के बावजूद मालिकों द्वारा आवश्यक कदम नहीं उठाए जाते और प्रशासन भी आगे कोई जुर्माना या सील करने जैसी कार्रवाई नहीं करता।

4. अवैध गोदाम : अक्सर ऐसे गोदामों पर सरकार या नगर निगम की नियमित निगरानी नहीं होती क्योंकि वे बिना लाइसेंस के चलते हैं।

5. राजनीतिक दबाव या भ्रष्टाचार: कुछ मामलों में मालिकों का राजनीतिक संरक्षण होने के कारण प्रशासन भी कार्रवाई करने से डरता है या उदासीन बना रहता है।

6. दुर्घटना के बाद तात्कालिक लेकिन दीर्घकालिक समाधान नहीं: आग लगने के बाद फायर विभाग तो पहुँचता है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते।

7. स्थानीय पालिका, फायर विभाग या कलेक्टर कार्यालय एवं संबंधित मामलों से जुड़े विभागों में जाँच कर कार्यवाही होनी चाहिए , जिससे जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और किसी प्रकार की घटना होने पर कार्यवाही किया जा सके।

यह सवाल खड़े होते हैं?

* चिंदी में आग की घटना के बावजूद प्रशासन सुस्त क्यों है?
* सचिन-पांडेसरा GIDC तक चिंदी पहुंचने के पीछे कौन है?
* चिंदी का कारोबार या जानलेवा कारोबार?
* किसी का आशीर्वाद या प्रशासन की मौन स्वीकृति?
* सूरत के औद्योगिक क्षेत्र में 'चिंदी सजग बम': प्रशासन ने आंखें क्यों मूंद लीं?

क्या हो सकते हैं उचित कदम?

1. तात्कालिक फायर सेफ्टी ऑडिट कराना
2. अवैध गोदाम या औद्योगिक इकाइयों को सील करना
3. नियमित निरीक्षण और जुर्माने की कार्रवाई करना
4. स्थायी निगरानी की व्यवस्था लागू करना

स्थानीय पालिका, फायर विभाग या कलेक्टर कार्यालय एवं संबंधित मामलों से जुड़े विभागों में जाँच कर कार्यवाही होनी चाहिए जिससे जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और किसी प्रकार की घटना होने पर कार्यवाही किया जा सके।